Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 32
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00

सोमवार,01 सितम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 भाजपा के लोग बस देश का क्षेत्रफल बता दें, अखिलेश | 4 चिकित्सा और शिक्षा मुनाफे का खेल | 5 बिग बॉस 14 फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली को हुआ

मन की बात

यूपीएससी में चूके होनहारों को 'प्रतिभा सेतु' से निजी क्षेत्र में अच्छे अवसर:मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी परीक्षाओं में मामूली अंकों से कई होनहार युवा चयनित सूची में जगह नहीं पाते हैं इसलिए इन प्रतिभाओं के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म 'प्रतिभा सेतु' बनाया गया है ताकि इन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 125वीं कड़ी में रविवार को कहा कि इन परीक्षाओं की तैयारी सभी बच्चे कड़े परिश्रम से करते हैं लेकिन कई होनहार युवा मामूली अंतर से चयनित सूची से बाहर हो जाते हैं। इन प्रतिभाओं का देश के विकास में उपयोग हो इसलिए 'प्रतिभा सेतु' डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया है ताकि इन होनहार युवकों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिल सकें। इन सभी प्रतिभाओं को प्रतिभा सेतु का लाभ उठाना चाहिए और कई युवाओं को इसका लाभ मिलना भी शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा आपने यूपीएससी का नाम तो जरूर सुना होगा। ये संस्था देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक सिविल सेवा परीक्षा भी लेती है। हम सबने सिविल सेवा के टॉपर्स की प्रेणादायी बातें अनेक बार सुनी हैं। ये नौजवान कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई के बाद अपनी मेहनत से इस सेवा में जगह पाते हैं। लेकिन यूपीएससी की परीक्षा की एक सच्चाई और भी है। हजारों ऐसे उम्मीदवार भी होते हैं, जो बेहद काबिल होते हैं, उनकी मेहनत भी किसी से कम नहीं होती, पर मामूली अंतर से वो अंतिम सूची तक नहीं पहुंच पाते। इन उम्मीदवारों को दूसरी परीक्षाओं के लिए नए सिरे से तैयारी करनी पड़ती है। इसमें उनका समय और पैसा दोनों खर्च होता था। इसलिए अब ऐसे होनहार विद्यार्थियों के लिए भी एक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया है और इसका नाम प्रतिभा सेतु है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सेतु में उन उम्मीदवारों का डेटा रखा गया है जिन्होंने यूपीएससी की अलग-अलग परीक्षाओं के सभी चरण पास किए हैं लेकिन अंतिम मेरिट सूची में मामूली अंतर के कारण उनका नाम नहीं आ पाता। इस पोर्टल पर दस हजार से ज्यादा ऐसे होनहार युवाओं का डाटा बैंक है। कोई यूपीएससी की प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहा था, कोई इंजीनियरिंग सेवा में जाना चाहता था, कोई चिकित्सा सेवा के हर पड़ाव को पार कर चुका था लेकिन फाइनल में उसका चयन नहीं हुआ, तो ऐसे सभी उम्मीदवारों की जानकारी अब प्रतिभा सेतु पोर्टल पर उपलब्ध कराई जा रही है। इस पोर्टल से निजी कंपनियां इन होनहार छात्रों की जानकारी लेकर उन्हें अपने यहां नियुक्ति दे सकती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा इस प्रयास के नतीजे भी आने लगे हैं। सैकड़ों उम्मीदवारों को इस पोर्टल की मदद से तुरंत नौकरी मिली है और वो युवा जो मामूली अंतर से रुक गये थे, अब नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

लखनऊ में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट: सात की मौत की खबर

सीएम योगी ने लिया घटना का संज्ञान

● राजधानी में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट से सात लोगों के मरने की आशंका है। जबकि पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं। फिल्मी स्टाइल में भवन उड़ा। देखकर लोगों के दिल दहल गए।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। आवाज सुनकर लोग घरों से निकलकर मौके की तरफ भागे। स्थानीय लोगों ने अंदर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास शुरू किया। घटना गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा इलाके की है। उधर, पुलिस और एंबुलेंस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस, एंबुलेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल लोगों को अस्पताल भेजा। घटना में करीब सात लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। राहत बचाव कार्य जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी समेत कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को राधा अष्टमी पर्व की बधाई दी

मथुरा। अधिकारियों के अनुसार मथुरा बरसाना स्थित श्री राधारानी मंदिर में 30 अगस्त से शुरू हुए इस दो दिवसीय उत्सव में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को प्रदेशवासियों को राधा अष्टमी पर्व की बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा, पावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! निष्काम प्रेम, करुणा व भक्ति की साक्षात स्वरूप श्री राधा रानी जी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है जय श्री राधे! उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, पावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को अनंत शुभकामनाएं! मौर्य ने कहा, प्रेम, भक्ति और करुणा की अविनाशी ज्योति श्री राधारानी जी के चरणों में कोटि कोटि नमन। उनकी कृपा से हम सभी के जीवन में शांति, सुख एवं समृद्धि का प्रवाह बना रहे। जय श्री राधे! उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एक्स पर पोस्ट में कहा, आप सभी को पावन पर्व राधा अष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। अधिकारियों के अनुसार मथुरा बरसाना स्थित श्री राधारानी मंदिर में 30 अगस्त से शुरू हुए इस दो दिवसीय उत्सव में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। पर्व का मुख्य आयोजन आज सुबह से ही शुरू हो गया है।

एसआईआर के बाद बिहार के सभी मतदाताओं को नए मतदाता पहचान पत्र जारी करेगा निर्वाचन आयोग

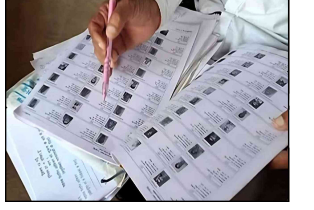

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची को लेकर जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के पूरा होने के बाद राज्य के सभी मतदाताओं को नए मतदाता पहचान पत्र जारी करने की योजना बना रहा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि नए मतदाता पहचान पत्र कब जारी किए जाएंगे, इस पर निर्वाचन प्राधिकरण द्वारा अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। अधिकारियों ने कहा कि बिहार के प्रत्येक मतदाता को एक नया मतदाता पहचान पत्र जारी करने की योजना है, लेकिन यह प्रक्रिया कब और कैसे पूरी की जाएगी इस पर अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। जब मतदाताओं को गणना प्रपत्र दिए गए तो उनसे भरे हुए दस्तावेज अपनी नवीनतम तस्वीर के साथ जमा करने को कहा गया। नयी तस्वीर का उपयोग रिकॉर्ड को अद्यतन करने और नए मतदाता पहचान पत्र जारी करने के लिए किया जाएगा। एक अगस्त को प्रकाशित बिहार की मसौदा मतदाता सूची के अनुसार राज्य में 7.24 करोड़ मतदाता हैं। अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी और राज्य में विधानसभा चुनाव नवंबर में होने की संभावना है। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और उससे पहले नए सदन का गठन करना होगा। निर्वाचन आयोग के अनुसार अब तक गणना फॉर्म भरने वालों में से 99 प्रतिशत ने अपने दस्तावेज जमा कर दिए हैं। लगभग 30,000 लोगों ने मतदाता सूची में शामिल होने के लिए याचिका दायर की है जिन्होंने अपने नाम मसौदा सूची से गायब थे। इसके अलावा बिहार पहला राज्य बन गया है ।

संक्षिप्त खबरें

एयर इंडिया की हुई इमरजेंसी लैंडिंग, इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली लौटा विमान

नई दिल्ली। एयर इंडिया की दिल्ली से इंदौर जा रही एक उड़ान को रविवार सुबह टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली वापस लौटना पड़ा जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। सूत्रों ने बताया कि विमान में 90 से ज्यादा यात्री सवार थे। फ्लाइट एआई2913 के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग की चेतावनी मिली। एहतियात बरतते हुये उस इंजन को बंद कर दिया गया और विमान को एक ही इंजन पर दिल्ली वापस लाया गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 6.15 बजे एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। एयर इंडिया ने घटना पर खेद व्यक्त करते हुये एक बयान में कहा कि विमान को निरीक्षण के लिए ग्राउंड कर दिया गया है और यात्रियों को दूसरे विमान से इंदौर भेजने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही नागर विमानन नियामक डीजीसीए को इसकी सूचना दे दी गयी है।

मोदी-चीन की नजदीकी पर संजय सिंह ने उठाए सवाल, गद्दारी के लगाए इल्जाम

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और सांसद संजय सिंह ने मोदी भक्तों और गोदी मीडिया पर देश के साथ गद्दारी का इल्जाम लगाया है। दरअसल मोदी की चीन यात्रा पर गुणगान करने वालों पर संजय सिंह ने सवाल उठाए हैं। एक पोस्ट में संजय सिंह ने लिखा-मोदी ने 6 वर्षों में चीन को 40 लाख करोड़ का व्यापार दिया। धोखेबाज चीन ने गलवान घाटी में 20 जवान मार दिया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान खुलेआम पाकिस्तान को मिसाइल और हथियार दिया।

कानपुर देहात में 3 युवकों की जहरीली गैस के कारण मौत

कानपुर। कानपुर देहात जिले के अकबरपुर क्षेत्र में एक नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस के प्रभाव से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। कानपुर देहात जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरविंद मिश्रा ने पुष्टि की कि नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस के कारण तीन लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि एक अन्य व्यक्ति का उपचार किया जा रहा है ।

नोएडा: इस्कॉन मंदिर में आज राधाष्टमी के उपलक्ष्य पर श्रद्धालुओ की उमड़ी भीड़

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 33 इस्कॉन मंदिर में आज राधाष्टमी के उपलक्ष्य पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के 15 दिन बाद राधाष्टमी के अवसर नोएडा इस्कॉन मंदिर सजधज कर तैयार होता है जहां सुबह से विदेशी भक्तों सहित हजारों की संख्या में पूजा के लिए भीड़ बढ़ती रहती है। नोएडा इस्कॉन मंदिर परिसर में महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के सुगंधित फूलों से मालाएं तैयार की जाती है जो राधाष्टमी आरती के समय श्रीकृष्ण और राधा जी को पहनाई जाती है।

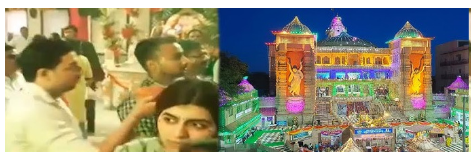

इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन होता है। आरती के उपरांत इस्कॉन मंदिर में राधा बनकर आई युवतियां रास लीलाओं का मंचन करती हैं इस दृश्य के नाट्य रूपांतरण से मौजूद हजारों श्रद्धालु नृत्य करने लगते हैं परिसर भक्ति गीत और तालियां से गूंज उठता है। इस आयोजन के तहत सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी सहित पुलिस प्रशासन की मौजूदगी रहती है। मंदिर के आस पास यातायात सुचारू रखने में यातायात पुलिस द्वारा सहयोग किया जाता है।

पीएम मोदी से बोले शी जिनपिंग

भारत और चीन के बीच दोस्ती सही विकल्प है

तियानजिन। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से रविवार को कहा कि दोनों देशों का मित्र बनना सही विकल्प है तथा हाथी (भारत) एवं ड्रैगन (चीन) को एक-दूसरे की सफलता का मिलकर जश्न मनाना चाहिए। दोनों नेताओं के बीच यह वार्ता शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर हुई। शी ने कहा, हम दोनों (देशों) के कंधों पर अपने लोगों के भले के लिए काम करने, विकासशील देशों का कायाकल्प करने एवं उनकी एकजुटता को बढ़ावा देने और मानव समाज की प्रगति को गति देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है। भारत और चीन के बीच दोस्ती सही विकल्प है, उन्होंने कहा, दोनों के लिए यह सही विकल्प है कि वे ऐसे दोस्त बनें जिनके बीच अच्छे पड़ोसियों वाले और सौहार्दपूर्ण संबंध हों, वे ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में सहायक हों और ड्रैगन और हाथी एक साथ नृत्य करें। जिनपिंग ने मोदी से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और चीन को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखना चाहिए। शी जिनपिंग ने कहा, दोनों पक्षों को अपने संबंधों को रणनीतिक ऊंचाइयों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना एवं संभालना होगा ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों का निरंतर, मजबूत और स्थिर विकास हो सके। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, शी ने मोदी से कहा कि चीन और भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी हैं तथा दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास के अवसर हैं।

उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा नीतियों पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा कि दोनों देशों को बहुपक्षवाद को बनाए रखना चाहिए। शी ने कहा कि भारत और चीन को एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था बनाने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए भी काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें बहुपक्षवाद को बनाए रखने, एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए मिलकर काम करने और एशिया एवं दुनिया भर में शांति और समृद्धि में उचित योगदान देने की अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी को भी आगे बढ़ाना होगा।

अखिलेश का तंज, चीन पर निर्भरता से उद्योगों पर संकट

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री के चीन दौरे को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भारत की बढ़ती निर्भरता ने देश के उद्योगों, कारखानों और दुकानों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि तथाकथित आत्मनिर्भर, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का चिंताजनक सच। चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है। उन्होंने आगे लिखा कि भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे। पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा। इससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे। सपा मुखिया ने लिखा कि उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा। घ्वसके बाद मनमाने दाम पर हर चीज सप्लाई करेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि उसके बाद महंगाई-बेरोजगारी बढ़ाएगा। उसके बाद जब महंगाई-बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खिलाफ आक्रोश भी कई गुना बढ़ जाएगा। उसके बाद दूसरों के सहारे पर चल रही, बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी। उन्होंने कहा कि उसके बाद खुद ही लड़खड़ाती भाजपा की सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पायेगी 3 उसके बाद हमारी भूमि पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा। उसके बाद भाजपा दोहराएगी कि न कोई न कोई आ रहा है तो उत्तर प्रदेश में विराजमान बुलडोजर वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब दे दें कि चीन द्वारा हमारी कितनी जमीन हड़प ली गयी है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी तो चीनी कब्जे का शिकार हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें। मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी कब्जे के बाद घट गयी है। दिल्ली वाले न सही तो लखनऊ वाले पलायन स्पेशलिस्ट ही बता दें कि हमारी कितनी भूमि का पलायन हो गया है, वैसे जनता ये बखूबी समझती है कि भूमि का पलायन थोड़े ना होता है, जो वो चलकर कहीं चली गयी होगी। अगर ये बात ड्रेनवालों को समझ नहीं

मराठा आरक्षण : मनोज जरांगे पाटिल की भूख हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

मुंबई । कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में मराठा आरक्षण आंदोलन रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा, क्योंकि राज्य द्वारा नियुक्त सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ पहले दौर की वार्ता विफल रही। जरांगे अपनी मांग पर अड़े रहे कि मराठों को आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए उन्हें कुनबी के रूप में वर्गीकृत किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब तक सरकार कोई जवाब नहीं देती, तब तक वह अपना आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। इससे पहले पाटिल ने घोषणा की थी कि जब तक राज्य सरकार समुदाय की आरक्षण की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा नहीं करती, तब तक वह पीछे नहीं हटेंगे। इस बीच आजाद मैदान में भारी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है। हमेशा की तरह, पाटिल सुबह जल्दी उठे और अपने कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की। एक रिपोर्ट के अनुसार एक उच्च-स्तरीय राज्य प्रतिनिधिमंडल आज आजाद मैदान में पाटिल से मिलने वाला है, क्योंकि राधाकृष्ण विखे-पाटिल की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति की कल देर रात मुंबई स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक हुई थी। सूत्रों ने बताया कि संभावना है कि राज्य और प्रदर्शनकारी आज किसी निष्कर्ष पर पहुँचेंगी और आज दोपहर तक इस संबंध में एक सकारात्मक घोषणा की जाएगी। हालाँकि, पाटिल ने अपनी माँग जारी रखी कि राज्य सरकार तुरंत यह रिपोर्ट दे कि मराठवाड़ा के मराठा कुनबी हैं, इस पर एक सरकारी प्रस्ताव जारी करें और कल से ही कुनबी प्रमाण पत्र वितरित करना शुरू कर दें।

बस्ती स्टेशन में वेटिंग रूम की सफाई करती हुई सफाई मित्र

गोरखपुर, 31 अगस्त, 2025: रेलवे प्रशासन द्वारा देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। भारतीय रेल पर 16 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2025 तक द्वितीय चरण में आयोजित स्वच्छता अभियान के सोलहवें दिन पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडलों पर स्टेशनों, ट्रेनों, आवासीय कॉलोनियों, डिपो एवं कारखानों में स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में, 31 अगस्त, 2025 को लखनऊ मंडल के गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, लखनऊ जं. तथा ऐशबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके अभियान के दौरान स्टेशनों, टेज्नों, सकुर्लेटिंग एरिया, रेलवे ट्रैक के किनारों, कार्यालय, वेटिंग रूम एवं रिटायरिंग रूम आदि की गहन सफाई की गई तथा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। स्टेशनों पर यात्री उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को साफ-सफाई रखने तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की गई। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ तथा प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता कर्मियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया, साथ ही टेज्नों और स्टेशनों पर कीटाणु नियंत्रण के लिये कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। स्टेशनों पर जल परीक्षण कर उसकी शुद्धता जाँची गई तथा वाटर बूथ, वाटर कूलर एवं वाटर वेंडिंग मशीनों की सफाई कराई गई। इसी क्रम में, कार्यालयों, वेटिंग हॉल, डॉरमेट्री आदि स्थानों की गहन सफाई की गई। स्टेशनों एवं टेज्नों में यात्री उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को टेज्नों एवं स्टेशन परिसर को स्वच्छता बनाये रखने एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिये जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के बरेली सिटी, पीलीभीत, लालकुआँ, कासगंज, काशीपुर, काठगोदाम, हल्द्वानी फररुखाबाद एवं रूद्रपुर सिटी आदि स्टेशनों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके अन्तर्गत स्टेशन परिसर के सकुर्लेटिंग एरिया, कार्यालयों, रिटायरिंग रूम, प्रतीक्षालयों एवं टेज्नों के कोचों में गहन सफाई की गई तथा स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाये रखने हेतु पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया गया। कोचिंग डिपो, टनकपुर में ट्रेनों की गहन सफाई कराई गई।

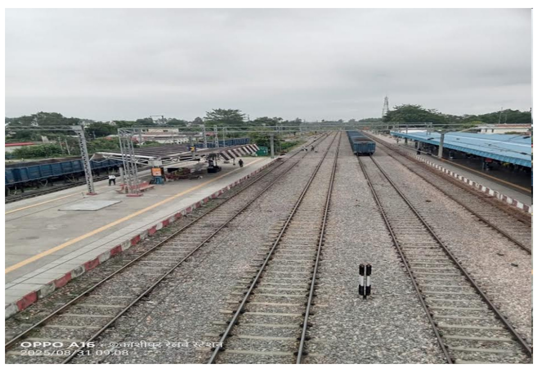

रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त पदभार 01 सितम्बर,2025 को ग्रहण करेंगे

गोरखपुर,: उदय बोरवणकर, महानिदेशक, आरडीएसओ ने पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त पदभार 01 सितम्बर,2025 को ग्रहण करेंगे। श्री बोरवणकर भारतीय रेल प्रबंधन सेवा के अधिकारी हैं। वाराणसी से प्रारंभिक शिक्षा के उपरांत आप 1985 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिष्ठित स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस के लिए चयनित हुए। भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग संस्थान, जमालपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद पश्चात आपने मुंबई से स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) की डिग्री प्राप्त की। आपने आईआईटी, खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद एवं बोक्कोनो स्कूल ऑफ बिजनेस (मिलान) से बिजनेस मैनेजमेंट तथा ग्राज विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया से सिविल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। बोरवणकर ने मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, रेलवे बोर्ड तथा प्रतिनियुक्ति पर खान मंत्रालय एवं महा मेट्रो में पिछले 35 वर्षों में अनेक चुनौतीपूर्ण पदों पर उत्कृष्ट सेवाएँ दी हैं। अपर मंडल रेल प्रबंधक/नागपुर, रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, नागपुर मेट्रो में परिचालन एवं प्रबंधन के प्रभारी, मंडल रेल प्रबंधक/भोपाल तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। अगस्त 2024 से आरडीएसओ के महानिदेशक के रूप में आप भारतीय रेल में आधुनिक तकनीक के समावेश के अग्रदूत रहे हैं और कवच, वंदे भारत ट्रेनें, हाइड्रोजन ट्रेन, एआई एवं ड्रोन आधारित तकनीक डास (डी.ए.एस.)जैसे महत्वपूर्ण अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं। उदय बोरवणकर एक अच्छे पाठक, प्रख्यात वक्ता हैं और उन्हें जैविक खेती, फोटोग्राफी तथा भारतीय संगीत में विशेष रुचि है। तकनीकी और प्रबंधकीय नेतृत्व के साथ ही आपने पर्यावरण संरक्षण, हरित ऊर्जा और गुणवत्ता प्रणाली प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

खिलाड़ियों एवं कोचों के साथ महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह

गोरखपुर, 31 अगस्त, 2025: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में मेजर ध्यानचंद जी के जन्मदिन पर प्रतिवर्ष मनाये जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में अनेक प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी क्रम में, 31 अगस्त, 2025 को बास्केटबॉल (महिला एवं पुरुष वर्ग), फुटबॉल (पुरुष वर्ग) एवं एथलेटिक्स (बालक एवं बालिका वर्ग) में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। बास्केटबॉल में पूर्वोत्तर रेलवे रेड एवं पूर्वोत्तर रेलवे ब्लू के बीच खेले गये मैच में पूर्वोत्तर रेलवे रेड विजेता रहा। फुटबॉल में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम एवं सद्भावना क्लब, गोरखपुर के मध्य खेला गया मैच 1-1 की बराबरी पर ड्रा रहा। एथलेटिक्स के बालक एवं बालिका वर्ग में 1,600 मीटर दौड़ में एक से छठवें स्थान तक आने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में खेल प्रेमी एवं रेलकर्मी उपस्थित थे, जिन्होंने खेल का भरपूर आनन्द लिया।

एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्रियों की सुविधा हेतु 03527/03528 आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन आसनसोल से 26 सितम्बर, 03, 10, 17, 24 एवं 31 अक्टूबर तथा 07 नवम्बर, 2025 प्रत्येक शुक्रवार को तथा गोरखपुर से 27 सितम्बर, 04, 11, 18 एवं 25 अक्टूबर तथा 01 एवं 08 नवम्बर, 2025 प्रत्येक शनिवार को 07 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 03527 आसनसोल-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 26 सितम्बर, 03, 10, 17, 24 एवं 31 अक्टूबर तथा 07 नवम्बर, 2025 प्रत्येक शुक्रवार को आसनसोल से 13.20 बजे प्रस्थान कर चितरंजन से 13.44 बजे, जामताड़ा से 13.59 बजे, मधुपुर से 14.27 बजे, जसीडीह से 14.49 बजे, झाझा से 16.30 बजे किऊल से 17.11 बजे, बरौनी से 19.25 बजे, शाहपुर पटोरी से 20.27 बजे, हाजीपुर से 21.20 बजे, सोनपुर से 21.32 बजे, छपरा से 23.20 बजे दूसरे दिन सीवान से 00.15 बजे, भटनी से 00.57 बजे तथा देवरिया सदर से 01.27 बजे छूटकर गोरखपुर 03.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 03528 गोरखपुर-आसनसोल साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर, 04, 11, 18 एवं 25 अक्टूबर तथा 01 एवं 08 नवम्बर, 2025 प्रत्येक शनिवार को गोरखपुर से 06.30 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 07.28 बजे, भटनी से 07.57 बजे, सीवान से 08.40 बजे, छपरा से 09.45 बजे, सोनपुर से 10.50 बजे, हाजीपुर से 11.05 बजे, शाहपुर पटोरी से 11.47 बजे, बरौनी से 13.30 बजे, किऊल से 15.02 बजे, झाझा से 17.35 बजे, जसीडीह से 18.08 बजे, मधुपुर से 18.34 बजे जामताड़ा से 19.04 बजे तथा चितरंजन से 19.18 बजे छूटकर आसनसोल 20.45 बजे पहुँचेगी।

पटना में प्रसूता की मौत...बलिया में हंगामा, अस्पताल बंद कर भागे डॉक्टर-कर्मी

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की प्रसूता को पटना स्थित निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया था। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजन बैरिया पहुंचे और उस अस्पताल के बाहर हंगामा करने लगे, जहां से पटना भेजा गया था। बलिया के बैरिया कस्बा स्थित एक निजी अस्पताल पर प्रसूता की मौत का आरोप लगाकर परिजनों ने हंगामा कर दिया। अस्पताल कर्मचारी भाग खड़े हुए। इसके बाद परिजन थाना पहुंच लापरवाह चिकित्सक पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। पुलिस ने समझा बुझाकर मामले को शांत किया। शव को पोस्टमार्टम को भेजवाया। नगर पंचायत के जगदेव गांव निवासी सूरज पासवान की पत्नी अनीशा देवी (25) को 19 अगस्त को प्रसव पीड़ा होने के पर परिजन कस्बा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां ऑपरेशन के बाद हालत खराब होने पर चिकित्सक ने प्रसूता को अपने जान-पहचान के पटना स्थित निजी अस्पताल रेफर कर दिया। वहां भर्ती कर इलाज कर रहे थे, शनिवार को हालत बिगड़ने के अनीशा की मौत हो गई। परिजन शव लेकर बैरिया कस्बा स्थित अस्पताल पहुंचे जहां कर्मचारी अस्पताल छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद परिजन थाना पहुंचे निजी चिकित्सक की लापरवाही से ऑपरेशन के दौरान नस काटने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। थाना प्रभारी मूलचंद चौरसिया ने लापरवाह चिकित्सक पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। परिजनों को समझा कर शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सामूहिक दुष्कर्म से पैदा हुई बच्ची की मौत

वाराणसी। वाराणसी में दिसंबर 2024 को किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। गर्भ ठहरने पर जून महीने में सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने एक-एक कर सभी को गिरफ्तार कर लिया। वही, रविवार की सुबह बच्ची की मौत हो गई। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता से पैदा हुई बच्ची की रविवार की सुबह छह बजे मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मासूम बच्ची के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया। सामूहिक दुराचार के बाद पीड़िता को पिछले सात दिनों पूर्व सोमवार की रात 12 बजे अचानक पेट में दर्द होने पर उसके मामी-मामा और परिजन पंडित दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ऑटो से ले जा रहे थे, तभी डुबकियां बाजार के समीप पहुंचते ही हालत गंभीर हो गई। ऑटो चालक एक निजी क्लीनिक पर ले गया, जहां उसे एक बच्ची पैदा हुई। क्लिनिक पर खास कोई व्यवस्था न होने के कारण परिजनों ने उसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल पहुंचने के लिए एम्बुलेंस के लिए डायल 108 पर फोन किया, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। इस पर परिजनों ने ऑटो से ही पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया। सभी आरोपी गिरफ्तार बच्ची पैदा होने के बाद पीड़िता अपने मामा के गांव पहुंची, जहां पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए दो कांस्टेबल व महिला आरक्षी तैनात किए गए। पीड़िता के मामा ने बताया कि सुबह बच्ची बिल्कुल सामान्य थी। आज यानी रविवार की छह बजे अचानक उसकी मौत हो गई। सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों ने इसकी जानकारी प्रभारी निरीक्षक को दी। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि नवजात बच्ची के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया गया।

जापान में पीएम मोदी के सामने शिगेरु ने बजाया बनारसी तबला

वाराणसी। जापान में पीएम मोदी के सामने

तबला वादक शिगेरु ने बनारसी तबला बजाया। इस दौरान तबले की थाप छेड़ते ही हर कोई उनका मुरीद हो उठा। शिगेरु ने कहा कि 30 साल बाद आज मेरे अच्छे दिन आ गए। वह काफी उत्साहित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान की दो दिवसीय यात्रा यादगार बन गई। प्रधानमंत्री के सामने जापानी तबला वादक शिगेरु ने जब बनारसी तबले की थाप छेड़ी तो हर कोई उनका मुरीद हो उठा। उन्होंने तबले पर पं. लच्छू महाराज की उठान, रेला, धिर-धिर तिक तिक का कायदा बजाया। पं. लच्छू महाराज के शिष्य शिगेरु ने तबला वादन की शिक्षा बनारस में ही ली है। प्रधानमंत्री के सामने तबले की प्रस्तुति देने के बाद शिगेरु ने एकदम बनारसी अंदाज में अपने अनुभव को बयां किया। बनारसी भाषा में उन्होंने कहा कि हमार नाम शिगेरु है। हम अपनी टूटी-फूटी हिंदी में तो अच्छे से यह नहीं बता सकते कि हमें आज कितना अच्छा लग रहा है। 30 साल से मेरा भारत आना-जाना लगा हुआ है। 30 बाद आज मेरे सबसे अच्छे दिन आ गए हैं। मैंने बनारस में पं. लच्छू महाराज से तबला वादन का प्रशिक्षण लिया है। आज दुनिया के सबसे बड़े नेता के सामने तबला बजाकर बहुत खुशी मिली है। हम लोग दो महीने से इस आयोजन के लिए तैयारी कर रहे थे। पं. लच्छू महाराज के शिष्य पं. अमित त्रिवेदी ने बताया कि शिगेरू उनके गुरु भाई हैं। उन्होंने पं. लच्छू महाराज से 1994 में तबले का प्रशिक्षण लिया था। इसके साथ ही गुरु भाई दीपक भट्ट, सुब्रतो रॉय मुखर्जी, पंकज सुहास, रबीश मिश्रा और जलेश्वर ने शुभकामनाएं दीं और खुशी जताई। जापान` एक जापानी नागरिक (जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष तबला बजाया) ने कहा, ₹मुझे भारत आते-जाते 30 साल हो हुए हैं तो मेरे लिए सबसे अच्छे दिन आ गए हैं। मैंने पंडित लक्ष्मी महाराज जी से बनारस में तबला बजाना सीखा है... दुनिया के सबसे बड़े नेता के सामने।

शिवकटरा में युवक लापता हत्या की आशंका, भाई की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। डीसीपी पूर्वी ने बताया कि छह टीमें जांच के लिए लगाई हैं। भाई की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है। कानपुर में संदिग्ध हालात में लापता शिवकटरा हरिजन बस्ती निवासी राजेश कुमार का सबसे छोटा बेटे ऋषिकेश उर्फ सोना (22) की हत्या कर शव कहीं और फेंकने की आशंका है। वह शुक्रवार की रात को घर से कुछ दूरी पर गणेश पूजा में शामिल होने के लिए निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं आया। घर से करीब तीन किलोमीटर दूर खून मिला है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य लिए हैं। घरवालों ने कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस और क्राइम ब्रांच की छह टीमें जांच में लगी हुई हैं। घटना का पता चलने पर डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता, एडीसीपी पूर्वी अंजलि विश्वकर्मा, एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय मौके पर पहुंची और जांच की। डीसीपी पूर्वी ने बताया कि छह टीमें जांच के लिए लगाई हैं। परिजनों की तहरीर पर एफआईआर लिखाई जाएगी। कृष्णानगर चौकी के बाहर परिजनों ने देर रात नाराजगी जताई। उन्होंने पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिसकर्मी घरवालों को तहरीर देने के लिए समझाते रहे।

संक्षिप्त खबरें

आंगनबाड़ी केंद्रों में वजन मापने की मशीन नहीं

बस्ती। क्षेत्र के कई आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का वजन मापने की मशीन नहीं है तो कुछ जगहों पर खराब पड़ी हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती व धात्री महिलाओं के साथ ही शिशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल की जाती है। इसके लिए वजन व लंबाई मापने की मशीन जरूरी है। ब्लॉक के कोहड़वा, बैंदा कला, गंगौरा, महथा, पकड़ी चंदा, मनिकौरा, कुरियार, खड़ौहा, छितौनी, सुरापार, बजहा, धौरहरा गोचना, सिकराय खुर्द, देवकुंडा, गुलौरा समेत 156 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। कुछ केंद्रों को छोड़ कर अधिकतर केंद्रों में वजन की मशीन नहीं है। महथा आंगनबाड़ी केंद्र की कलावती देवी और परासी की मीरा देवी ने बताया कि पुरानी मशीनें खराब होने से उन्हें कार्यालय में जमा कर दिया गया है। नई मशीन मिलेगी तो उसका उपयोग किया जाएगा। सीडीपीओ जितेंद्र कुमार ने बताया कि सीडीओ ने ब्लॉक कार्यालयों को मशीनें खरीदने के लिए आदेश दिया है। जल्दी ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को मशीनें उपलब्ध करा दी जाएंगी।

19 एआरपी का अभी तक नहीं हो पाया चयन

बस्ती। प्राथमिक विद्यालयों को निपुण बनाने के लिए अब भी 19 एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) का चयन नहीं हो पाया है। दोबारा आवेदन मांगे गए हैं। जिले में 75 एआरपी की नियुक्ति होनी थी। 56 का चयन हो चुका है। एक ब्लॉक में 5 एआरपी की तैनाती की जाती है। ये एआरपी कक्षा 2 तक पढ़ाए जाने वाले 5 विषयों का सपोर्टिव सुपरविजन करते हैं। अब तक हिंदी के 5, अंग्रेजी के 8, गणित के 1, विज्ञान के 3 एवं सामाजिक विषय के 2 एआरपी का चयन नहीं हो पाया है।

शिक्षकों का एफएलएन आधारित प्रशिक्षण पूरा

बस्ती। बीआरसी हरैया के सभागार में पांच दिवसीय एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों के तीसरे और चौथे बैच के 100 शिक्षकों का प्रशिक्षण शनिवार को पूरा हो गया। एआरपी संतोष कुमार शुक्ल, काशीराम वर्मा, रवीश कुमार मिश्र, केआरपी श्रीनारायन मिश्र और योगेश कुमार सिंह ने निर्धारित मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण दिया। बीईओ ने बताया कि प्रशिक्षण से बच्चों को भाषा और गणित में दक्ष बनाया जा सकता है। एआरपी रवीश कुमार मिश्र ने बताया कि पांचवें और छठे बैच का प्रशिक्षण सोमवार से शुरू होगा। प्रशिक्षण में कार्यालय के सुनील कुमार, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, ऋषि सिंह, राकेश, दिवाकर सिंह ने तकनीकी सहयोग किया।

अनुपस्थित तीन सचिवों से बीडीओ ने मांगा स्पष्टीकरण

बस्ती। ब्लॉक सभागार में बीडीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव ने ग्रामपंचायतों में हुए विकास कार्यों की समीक्षा की। अनुपस्थित तीन सचिवों से स्पष्टीकरण तलब किया। बीडीओ ने वीएचएनसी मद से खरीदे जाने वाले उपकरण को ग्राम सचिव जल्द से जल्द खरीदारी कराकर रिपोर्ट भेजें। इसमें लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बीडीओ ने कहा कि 14 स्थान पर अन्नपूर्णा भवन का का निर्माण कार्य प्रारंभ होना है सभी सचिव जल्द से जल्द आईडी निकालकर अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ करें। बीडीओ ने बताया कि पूर्व में बन रहे पांच अन्नपूर्णा भवन ऊचगांव, बेहरा पकड़ी नासिर, छपिया लुटावन में कार्य प्रगति पर है वही जमदाशाही में जमीन विवाद के कारण नीव स्तर पर कार्य होने के बाद बंद पड़ा है। बीडीओ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पंचायत सहायक व रोजगार सेवक से की क्राफ्ट सर्वे की समीक्षा की।

शिव मंदिर परिसर में किया गया पौधरोपण

बस्ती। जिला पर्यावरण संरक्षण समिति के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता मनमोहन श्रीवास्तव काजू की ओर से एक पखवारे से शिव मंदिर परिसर में पौधरोपण किया जा रहा है। देवरिया शिव मंदिर, करण शिव मंदिर, भारीनाथ शिव मंदिर पर 50 से अधिक पीपल, बरगद, आंवला, पाकड़ का पौधा वन विभाग और वहां के पुजारियों के सहयोग से लगाया गया। शुद्ध वायु, वर्षा, फल-फूल, औषधियां और छाया प्रदान करते हैं। शनिवार को भद्रेश्वर नाथ मंदिर में पौधरोपण हुआ। शिव प्रसाद गिरि, राजेश गिरि, हर्षित श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, राकेश पांडेय, दीपक शर्मा, सुनील श्रीवास्तव, आरती श्रीवास्तव, राहुल अग्रहरि, विजय यादव, श्याम कुमार पंसारी, बसंत कुमार मौजूद रहे।

नवनिर्मित पुलिस बूथ बरदहिया का लोकार्पण

बस्ती। पुरानी बस्ती थाने के बरदहिया बाजार में बने पुलिस बूथ का एसपी अभिनंदन ने शनिवार को लोकार्पण किया। एएसपी ओम प्रकाश सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर सत्येन्द्र भूषण तिवारी के साथ कार्यक्रम में पहुंचे एसपी ने कहा कि क्षेत्र की जनता की सुरक्षा और सुविधा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इस पुलिस बूथ की स्थापना को एक महत्वपूर्ण कदम है। कहा कि इस बूथ की स्थापना से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने में सहायता मिलेगी। यह बूथ न केवल अपराध नियंत्रण में सहायक होगा, बल्कि स्थानीय लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाद में अधिकारियों ने टीम के साथ पॉलिटेक्निक चौराहा(पुरानी बस्ती) पर पैदल गस्त करते हुए शान्ति सुरक्षा का एहसास कराया। पुरानी बस्ती थाने के निमार्णाधीन भवन का निरीक्षण भी किया गया।

दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित होंगी खेल प्रतियोगिताएं

बस्ती। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से माह अक्टूबर 2025 में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। इस प्रतियोगिता में 22 खेल प्रस्तावित हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि रेस 100 मीटर, रेस व्हील चेयर, ट्राइसाइकिल रेस, गोला फेंक, भाला फेंक, लम्बी कूद, ऊंची कूद, रस्साकाशी, म्यूजिकल चेयर्स, डिस्कस थ्रो, जूडो कराटे, हैंडबॉल, योगासन, शतरंज, कबड्डी, क्रिकेट, खो-खो, बैडमिन्टन, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन, तीरंदाजी और अन्य खेल होंगे। प्रतिभागी टीम प्रतिभाग कर सकेगी। बताया कि ऐसे लाभार्थी जो खेल-कूद में प्रतिभाग करना चाहते हैं, तो वह अपना नाम जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कक्ष संख्या 14 विकास भवन बस्ती में दर्ज करा सकते है।

डीएल आवेदकों के लिए मेडिकल टीम गठित

बस्ती। ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण और सारथी पोर्टल की अन्य सेवाओं के आवेदनों के लिए ऑनलाइन चिकित्सीय प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के लिए सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने चिकित्सकों की टीम बनाई है। इसमें डिप्टी सीएमओ डॉ. एके चौधरी, डॉ. जेपी कुशवाहा, डिप्टी सीएमओ डॉ. एसबी सिंह शामिल हैं। आरटीओ प्रशासन फरीदउद्दीन ने बताया कि ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण व सारथी पोर्टल की अन्य सेवाओं के लिए उपरोक्त नामित चिकित्सकों के माध्यम से ऑनलाइन चिकित्सा प्रमाण पत्र अपलोड करने के बाद आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कराकर ड्राइविंग लाइसेंस नवीनीकरण व अन्य सेवाओं को फेसलेस के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

पूर्व क्षेत्र के खिलाफ अंकित और यश के शतक, उत्तर क्षेत्र सेमीफाइनल के करीब

नई दिल्ली। पूर्व क्षेत्र के खिलाफ कप्तान अंकित कुमार (नाबाद 168 रन) और उभरते हुए बल्लेबाज यश ढुल (133 रन, 157 गेंद) के शानदार शतकों ने उत्तर क्षेत्र को शनिवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल की दहलीज पर पहुंचा दिया। पूर्व क्षेत्र के खिलाफ कप्तान अंकित कुमार (नाबाद 168 रन) और उभरते हुए बल्लेबाज यश ढुल (133 रन, 157 गेंद) के शानदार शतकों ने उत्तर क्षेत्र को शनिवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल की दहलीज पर पहुंचा दिया। उत्तर क्षेत्र ने 183 रन की बढ़त के बावजूद फिर से बल्लेबाजी करने का फैसला किया और ढुल ने दूसरे विकेट के लिए 290 गेंद पर 240 रन जोड़े। उनकी टीम ने क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 388 रन बनाकर कुल 563 रन की बढ़त बना ली। शुभम खजूरिया (21) के जल्दी आउट होने के बाद पूर्व क्षेत्र के गेंदबाज उत्तरी क्षेत्र की इस जोड़ी पर कोई प्रभाव डालने के लिए संघर्ष करते रहे।

मध्यप्रदेश को समझे बिना भारत की संस्कृति को नहीं जान सकते : डॉ. मंजुल

ग्वालियर

मध्यप्रदेश को समझे बिना भारत की संस्कृति को नहीं जाना जा सकता। क्योंकि किसी भी प्रकार के ऐतिहासिक और पुरातात्विक विकास को समझने के लिए भारत के हृदय प्रदेश को समझना आवश्यक है। यह बात भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. संजय कुमार मंजुल ने जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में कही।

वह जीवाजी विवि के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, जनजातीय विकास एवं अध्ययन केन्द्र और प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के संयुक्त तत्वावधान में मध्यप्रदेश के विशेष संदर्भ में पुरातत्व में नवीन प्रवृत्तियां विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता जीवाजी विवि के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य ने की। मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त अधीक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण डॉ. नारायण व्यास, जीविवि के कुलसचिव प्रो. राकेश कुशवाह एवं आयोजन सचिव डॉ.

शांतिदेव सिसोदिया मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि डॉ. मंजुल ने पुरातत्व में शब्दावली संबंधी समस्याओं के समाधान पर बल दिया।

इसके साथ ही उत्खनन और उसके विश्लेषण के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजन सचिव डॉ. शांतिदेव सिसोदिया ने संगोष्ठी की अवधारणा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. नारायण व्यास ने सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् प्रो. विष्णु वाकणकर के साथ किए गए क्षेत्रीय सर्वेक्षण और उत्खनन कार्यों के अनुभव साझा किए। उन्होंने भीमबेटका, कठोतिया तथा रायसेन के कई स्थलों का विशेष उल्लेख करते हुए बताया कि शैलचित्रों के अध्ययन और उनके सही अर्थ निकालने की चुनौती आज की पीढ़ी के सामने भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पर्यटन और पारिस्थितिकी को पुरातत्व से जोड़कर नए अवसर निर्मित किए जा सकते हैं। अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य कहा कि देश बदल रहा है और यह समय परिवर्तन का है। यदि हम इस समय नहीं बदले तो कुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे। उन्होंने रामसेतु पुल की पुष्टि उपग्रह चित्रों से होने का उदाहरण देते हुए कहा कि नई तकनीक हमेशा नई जानकारियों को उजागर करने में सहायक होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की युवा पीढ़ी विश्व के लिए नए क्षितिज लेकर आएगी। इस अवसर पर डॉ. शांतिदेव सिसोदिया द्वारा लिखित सनातन धर्म- इंडियन नॉलेज सिस्टम पुस्तक का विमोचन किया गया। साथ ही हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला एवं मगध विश्वविद्यालय गया के साथ एमओयू साइन किये गए। संगोष्ठी में 15 राज्यों के 70 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. समीक्षा भदौरिया ने किया।

दो तकनीकी सत्र में 45 शोधपत्र पढ़े

सेमीनार में दो तकनीकी सत्र हुए। पहले सत्र में प्रो. आलोक श्रोत्रिय अमरकंटक विवि एवं प्रो. एमसी श्रीवास्तव अवधेश प्रताप विवि रीवा ने अध्यक्षता एवं सह अध्यक्षता की। इस सत्र में अर्चना शर्मा, विजय कुमार, स्मिता कुमार, शंभूनाथ यादव, आकाश गेडाम, आशीष शेंडे सहित 30 लोगों ने पेपर प्रस्तुत किए। वहीं दूसरे सत्र में डॉ. चेतराम गर्ग निदेशक डॉ. रामसिंह इतिहास शोध संस्थान हिमाचल प्रदेश एवं प्रो. अवकाश जाधव ने विभागध्यक्ष संत जेवियर कॉलेज मुंबई ने अध्यक्षता एवं सह अध्यक्षता की। इस सत्र में 15 शोधपत्रों पढ़े गए।

प्रयोगशाला शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में लैब देगी महत्वपूर्ण योगदान

ग्वालियर। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में शनिवार को केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने लगभग 2 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से बनी अत्याधुनिक वैज्ञानिक प्रयोगशाला और क्लासरूम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह नई प्रयोगशाला खेलों को नए आयाम देने के साथ ही शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। नवीनतम डिजाइन और आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित यह लैब एथलीटों व छात्रों दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। इसमें फिटनेस, शारीरिक मापदंडों, बायोमैकेनिक्स, पोषण और प्रदर्शन के मनोवैज्ञानिक पहलुओं के आकलन की उन्नत वैज्ञानिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

रामश्री में अलुमनाई मीट का आयोजन

ग्वालियर। रामश्री इंडिया इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पासआउट विद्यार्थियों और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। मैच में पासआउट विद्यार्थियों ने मात्र 10 ओवर में 175 रन बनाए, जबकि विद्यालय की वर्तमान टीम 156 रन पर ही ऑलआउट हो गई। इस प्रकार पासआउट टीम विजेता रही। वहीं कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों की माताओं के लिए फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पार्वती खेल अकादमी ने जीते पदक

ग्वालियर। पार्वती खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने हरियाणा कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में गत दिवस राष्ट्रीय कराते चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते हैं। जिसमें खुशी चंदानी ने एक स्वर्ण और कांस्य पदक, मनु कुशवाह एवं श्रुति सेनी ने स्वर्ण पदक और तमन्ना गुर्जर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त कर मध्य प्रदेश का और पार्वती खेल अकादमी का नाम रोशन किया है। मध्य भारत शिक्षा समिति अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र बांदिल, पार्वती खेल अकादमी के निर्देशक डॉ. राजेंद्र सिंह, डॉ. किरण कुमार कल्याणकार, डॉ. राजेंद्र टेम्बे ने विजेताओं को बधाई दी।

ट्रिपल आईटीएम में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गणेशोत्सव

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी-भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान की वूमेनज्स एसोसिएशन द्वारा गणेशोत्सव का आयोजन भव्यता और आस्था के साथ किया गया। एमडीपी सेंटर परिसर में गणेश प्रतिमा की स्थापना ढोल-नगाड़ों और मंगल ध्वनियों के बीच हुई। पूजा स्थल को विद्युत लाइटों, पुष्पमालाओं और पारंपरिक सजावट से सजाया गया। प्रवेश द्वार पर बनाई गई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच गणेश जी की आराधना, हवन और आरती संपन्न हुई। एसोसिएशन की अध्यक्ष वंदना सिंह के नेतृत्व में सचिव माधुरी पटनायक व अन्य सदस्यगण ने आयोजन को सफल बनाया। पूजन के बाद शनिवार को गणपति विसर्जन परिसर स्थित जलकुंड में विधिवत संपन्न हुआ। भावनात्मक क्षण में सभी ने गणपति बप्पा को विदाई दी।

दुनिया के प्रत्येक कण में भगवान निवास करते हैं

ग्वालियर। जीवाय एमसी मैदान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन भागवताचार्य जगदगुरू रामानंदाचार्य स्वामी श्री राम दिनेशाचार्य ने कहा की दुनिया के प्रत्येक कण में भगवान निवास करते हैं। इसीलिए भगवान खंभे से प्रकट हुए। उन्होंने मनु सतरूपा द्वारा सृष्टि की रचना का भी उल्लेख किया। कथा समापन पर शकुंतला, ज्योति, अनिल, ममता, अनूप शिवहरे आदि उपस्थित रहे।

नप ने नगर में कराई फॉगिंग

भितरवार। नगर परिषद भितरवार ने क्षेत्र में मच्छरों से निजात दिलाने के लिए फॉगिंग कराई। शुक्रवार को स्वदेश समाचार पत्र में नगर में मच्छरों का प्रकोप, फॉगिंग नहीं खबर प्रकाशित होने के बाद नगर परिषद सीएमओ रीता कैलाशिया के निर्देश पर शाम को कर्मचारियों ने नगर के मुख्य मार्गों और विभिन्न वार्डों में फॉगिंग की। ज्ञातव्य है नगर में अच्छी बारिश के कारण नाले-नालियों और गड्ढों में पानी भरने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया था। आमजन की परेशानी को देखते हुए परिषद ने यह कार्य शुरू किया है, जो आगे भी जारी रहेगा।

काव्य संध्या आज

ग्वालियर। कौशल रमेश सक्सेना की स्मृति में साहित्य साधना संसद की काव्य संध्या 31 अगस्त को शाम 5 बजे राधा कुटीर सनातन धर्म मंदिर में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी संस्था के महामंत्री शैवाल सत्यार्थी ने दी।

एमिटी में बौद्धिक संपदा अधिकार पर राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

ग्वालियर

एमिटी विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार, चुनौतियां और अवसर विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन गत दिवस को हुआ। यह कार्यशाला मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें देशभर से आए विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आर. एस. तोमर ने बौद्धिक संपदा अधिकारों को शोधकर्ताओं के साथ-साथ राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक बताते हुए कहा कि पेटेंट, कापीराइट और ट्रेडमार्क से व्यक्ति उम्रभर घर बैठे आय अर्जित कर

सकता है। चांसलर ले. जनरल वी. के. शर्मा (सेवानिवृत्त) ने विद्यार्थियों को नवाचार और अनुसंधान की दिशा में प्रेरित किया।

समापन सत्र में डॉ. संदीप सिंगहाई (एएमपीआरआई-सीएसआईआर भोपाल) और डॉ. ऋषि शर्मा (सीईईआरआई पिलानी) ने बौद्धिक संपदा की भूमिका पर विचार रखे। अंत में उपकुलपति (अनुसंधान) प्रो. एम. पी. कौशिक ने कार्यशाला के निष्कर्ष साझा किए और प्रो. स्वप्निल राय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में कुलसचिव डॉ. राजेश जैन सहित सभी संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कला उत्सव सर्वांगीण विकास का साधन है : कल्पना

ग्वालियर

केन्द्रीय विद्यालय संगठन भोपाल के निर्देशानुसार कला उत्सव का आयोजन केव्ही नंबर वन में शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर की कुलगुरु एवं विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष कल्पना शर्मा रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि राष्ट्रीय कला उत्सव छात्रों के सर्वांगीण विकास का साधन है। उन्होंने अपने पूर्व अनुभव का वर्णन करते हुए कहा कि जब मैंने एक राष्ट्रीय कला उत्सव के चिंतन शिविर 2017 में नई दिल्ली में भाग लेकर विचार- विमर्श किया। उस समय जो बीज अंकुरित

हुआ था। वह बीज आज आठ वर्ष बाद व्यापकरूप लेकर वटवृक्ष बन गया है। यह मेरे लिए प्रसन्नता का अनुभव है। इस मौके पर बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस दौरान भोपाल, इंदौर, बीना, इटारसी, खंडवा, दतिया, रतलाम केन्द्रीय विद्यालयों के 130 छात्रों एवं 260 छात्राओं की सहभागिता प्रतिभागी के रूप में रही। इस अवसर पर प्राचार्य राजेश पाण्डेय, मुरारीलाल महावर, डॉ. राजेन्द्र मीणा, वंदना शर्मा, डॉ. अरुण खेमरिया, शिखा शर्मा, मुकेश रावत, पवन पटेल, चन्द्रशेखर शर्मा आदि उपस्थित रहे। आभार पवन जैन ने व्यक्त किया।

पाठक मंच में आज काव्य संग्रह की होगी समीक्षा

ग्वालियर। मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा के तत्वावधान में पाठक मंच का आयोजन 31 अगस्त को दोपहर 12 बजे दौलतगंज स्थिति सभा भवन में होगा। साहित्य सभा के प्रचार-प्रसार मंत्री राम चरण रुचिर ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार डॉ.सुरेश सम्राट होंगे। अध्यक्षता साहित्य सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. दिनेश पाठक करेंगे। उन्होंने बताया कि पाठक मंच में इस बार वरिष्ठ साहित्यकार राजकिशोर वाजपेयी अभय का काव्य संग्रह सृजन एवं प्रतिध्वनियां (मराठी भाषा में अनुवादित - सुरेश कुलकर्णी), वंदना लोक, मुक्तक लोक एवं शब्द शिखर की समीक्षा वरिष्ठ समीक्षक कुंदा जोगलेकर, डॉ. सुबोध चतुर्वेदी,डॉ. वंदना सेन करेंगी। सभा अध्यक्ष डॉ.कुमार संजीव, मंत्री उपेंद्र कस्तूरे, कार्यक्रम संयोजक दिलीप मिश्रा ने प्रबुद्धजनों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

परिचय सम्मेलन एक सराहनीय पहल : न्याय मंत्री कुशवाह

नगर संवाददाता ग्वालियर

अखिल भारतीय गहोई वैश्य समाज का परिचय सम्मेलन शनिवार को गहोई वैश्य शक्ति जन कल्याण समिति के तत्वावधान में तेरापंथी धर्मशाला नई सड़क में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, विशिष्ट अतिथि भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल एवं जिला भाजपा उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि गहोई समाज द्वारा विधवा, विधुर, तलाकशुदा सम्मेलन समाज के लिए एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से लोगों के घर बस जाते हैं। इस परिचय सम्मेलन में लगभग 40 लड़कों और 14 लड़कियों ने अपना परिचय दिया। कार्यक्रम में परिचय स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर राधेश्याम कुचिया, प्रदीप पहारिया, गीता नगरिया, अंकित कट्ठल उपस्थित रहे। आभार सुधीर रावत ने व्यक्त किया। इस सम्मेलन के दूसरे दिन का आयोजन रविवार को सुबह 11 बजे से किया जाएगा।

लोकार्पण समारोह आज

ग्वालियर। भगवत साहित्य परिवार के अध्यक्ष और वरिष्ठ साहित्यकार अनंगपाल सिंह अनंग द्वारा रचित पुस्तके जीवन के स्वर्णिम सूत्र, अनंग विचार बीज भाग 9, अनंग दर्शन भाग 6, मानवता के प्रेरक, प्रवास के गीत और पीड़ा का संगम 6 पुस्तकों का लोकार्पण समारोह 31 अगस्त रविवार को एंबिएंस होटल में शाम चार बजे से किया जाएगा। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश तोमर करेंगे।

डॉ.कैलाश कमल की जयंती पर मास्क वितरित

ग्वालियर। कविवर डॉ.कैलाश कमल की 100वीं जयंती पर परिजनों ने सिम्स अस्पताल में निःशुल्क मास्क वितरण किए। साथ ही अस्पताल अधीक्षक को 10 हजार मास्क भेंट किए। इस अवसर पर प्रीति जैन, हर्षित जैन, साक्षी जैन, समीक्त जैन उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता

क्रिकेट : शारीरिक शिक्षा विभाग बनी विजेता, पत्रकारिता विभाग उपविजेता

ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के निदेशक प्रो.संजय कुलश्रेष्ठ के हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण उपरान्त विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के छात्र छात्राओं एवं शिक्षक कर्मचारियों के मध्य क्रिकेट मैच हेतु 12 टीमों द्वारा सहभागिता की गई। जिसमें पहला मैच पत्रकारिता और विधि के मध्य खेला गया जिसमें पत्रकारिता विभाग ने 52 रनों से शानदार जीत दर्ज की।

दूसरे मैच में पत्रकारिता विभाग ने कर्मचारी एकादश को 18 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मैच पत्रकारिता विभाग एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के मध्य खेला गया। जिसमें शारीरिक शिक्षा के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 172 रन बनाए। जिसके जबाव में पत्रकारिता विभाग के खिलाड़ियों ने 10 ओवर में 60 रन बनाए।

पटेल हाउस ग्वालियर ने जीती ट्रॉफी

ग्वालियर

क्रीड़ा भारती महानगर ग्वालियर द्वारा आयोजित बास्केटबॉल प्रतियोगिता में पटेल हाउस ग्वालियर टीम ने डबरा टीम को शिकस्त देकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में बीआईसी क्लब बिरलानगर में आयोजित स्पर्धा के पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सचेती थे। अध्यक्षता क्रीड़ा भारती मध्यभारत प्रांत के सह संपर्क प्रमुख डॉ. केशव सिंह गुर्जर ने की। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती प्रांत कोष प्रमुख एसपी श्रीवास्तव, प्रांत मातृशक्ति प्रमुख शिवा देवी राठौड़,

प्रांत सह प्रमुख मनीषा शुक्ला, विभाग संयोजक गोविंद मेहरोत्रा, ग्रामीण जिला अध्यक्ष जेएस परमार मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि श्री सचेती ने कहा कि खिलाड़ियों को सतत अभ्यास और मेहनत करने से जीवन में सफलता मिलती है। खेलने से एकाग्रता बढ़ती है। डॉ. गुर्जर ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि आप मेहनत कर ग्वालियर का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत अनुपम राठौर, प्रशांत पांडे, अर्जुन सिंह तोमर ने किया। कार्यक्रम का संचालन विजय मोघे ने किया।

कुलैथ में पुलिया की रैलिंग काटी, आहट होने पर छोड़कर भागे चोर

बीस क्विंटल रैलिंग काटने वालों की तलाश जारी

ग्वालियर

तिघरा थाना क्षेत्र में शातिर चोरों ने सड़क किनारे लगी लोहे की रैलिंग गैस कटर से काट दी और उनको चोरी करके ले जाते इससे पहले वह रैलिंग और जिस ऑटो से आए थे उसे छोड़कर भाग गए। पुलिस को ऑटो में रैलिंग काटने के उपकरण रखे मिले हैं। पुलिस ने गाड़ी के नम्बर के आधार पर चोरों की पहचान के प्रयास शुरु कर दिए हैं।

ग्राम कुलैथ में आटो से चोरी करने के लिए चोर तैयारी से पहुंचे। चोरों ने सड़क किनारे पुलिया पर लगी लोहे की रैलिंग को गैस कटर की सहायता से काटकर चोरी कर लिया और वह चोरी की गई लोहे की रैलिंग को लेकर भाग पाते इससे पहले किसी की आहट होने पर वह ऑटो और चोरी की रैलिंग को छोड़कर भाग गए। बताया गया है कि चोरों ने रैलिंग के 81 टुकड़े कर लिए थे जिनका बजन 20 क्विंटल बताया गया है। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ऑटो क्रमांक एमपी 07 एल 8594 को जब्त कर लिया। ऑटो में ऑक्सीजन गैस सिलेण्डर और गैस प्रेशर पाइप आदि सामान रखा हुआ था जिसकी मदद से चोरों ने लोहे की रैलिंग काटी थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद सहायक उपनिरीक्षक गौतम सेन की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धारा 303(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

गंदगी फैलाने वालों पर निगम की सख्ती

ग्वालियर। नगर निगम स्वास्थ्य अमला लगातार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ अभियान चला रहा है। निगम की टीम जहां शहर में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कर रही है, वहीं नियम तोड़ने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई भी कर रही है। इसके साथ ही आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार शनिवार को वार्ड 46 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान मुख्य मार्ग पर कचरा फेंकने वालों पर जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई में प्रमोद प्रजापति रेफ्रिजरेटर शॉप द्वारा सड़क पर फेंके गए थर्माकोल उठवाकर सफाई करवाई गई और दुकान संचालक पर 1000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह चूर-चूर नान शॉप द्वारा भी मुख्य मार्ग पर कचरा फेंकने पर 1000 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

आचार्य वही है जो आचरण से सिखाए : डॉ. पचौरी

ग्वालियर

माधव महाविद्यालय द्वारा साप्ताहिक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। इस मौके पर मानस मर्मज्ञ डॉ. उमाशंकर पचौरी ने शैक्षिक दायित्व पर अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं है बल्कि यह चरित्र निर्माण और जिम्मेदार नागरिक

गढ़ने का आधार है। हमें छात्रों को केवल डिग्री नहीं देनी है बल्कि उन्हें जीवन उपयोगी, व्यावहारिक और नैतिक दृष्टिकोण प्रदान करना है। छात्र अपने शिक्षक का अनुसरण करता है उसके आचार विचार और व्यवहार को अपने जीवन में उतारता है। उन्होंने कहा कि अनेक पुण्यों के उदित होने पर मनुष्य जन्म मिलता है। पुण्य जब दोगुने होते हैं तब भारत भूमि में जन्म लेने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा ने की। संचालन डॉ. सरिता दीक्षित एवं आभार डॉ. रूपाली गोखले ने व्यक्त किया। आयोजन में डॉ. संजय रस्तोगी, डॉ. नीलेंद्र सिंह तोमर, डॉ.संजय पांडे, डॉ. कौशलेंद्र अवस्थी, डॉ.संतोष शर्मा, डॉ.निवेदिता पांचाल आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

स्क्रीन के सैलाब में संस्कारों का एंटीवायरस बने शिक्षक

पांच सितंबर यानी शिक्षक दिवस- यह पावन अवसर पर है हम सब के लिए उस शिक्षा के स्वरूप पर विचार करने का जो हमारी अगली पीढ़ी को ज्ञान के साथ-साथ जीवन की सही दिशा भी दे सके। इस संदर्भ में गुरु-शिष्य परंपरा से जुड़ा हमारे शास्त्रों में वर्णित एक विचार प्रासंगिक है कि ज्ञानमभारः क्रियां विना। जिसका अर्थ है, क्रिया के बिना ज्ञान बोझ है। यह बात आज के डिजिटल युग में और भी सत्य है। आज का शिक्षक सिर्फ ब्लैकबोर्ड पर लिखने वाला नहीं, बल्कि संस्कार और स्क्रीन के बीच एक संवेदनशील सेतु है। यह वो समय है जब हर शिक्षक को सोचना होगा कि क्या वे सिर्फ सूचना दे रहे हैं, या एक ऐसा भविष्य गढ़ रहे हैं जहां मानवीयता तकनीकी प्रगति से आगे खड़ी हो। दरअसल, आजकल बच्चे स्क्रीन टाइम में इतने डूबे हैं कि सामाजिक कौशल, धैर्य और सहानुभूति जैसे बुनियादी मानवीय मूल्य कहीं पीछे छूट रहे हैं। तो एक सवाल हर शिक्षक के मन में कुलबुला रहा होगा ध क्या अब बच्चों को पढ़ाना उतना ही आसान है, जितना उन्हें फॉरवर्ड करना सिखाना? एक तरफ ज्ञान का अथाह सागर है जो स्क्रीन पर तैर रहा है, और दूसरी तरफ संस्कारों की नदियां हैं जो सूखती जा रही हैं। सवाल है, शिक्षक इन दोनों के बीच पुल कैसे बनाएंगे? तकनीक हमें दुनिया से जोड़ती है, लेकिन यह हमें भावनात्मक रूप से अलग-थलग भी कर सकती है। यही कारण है कि शिक्षक का भावनात्मक जुड़ाव और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। शिक्षक केवल ज्ञान का संचार करने वाला ही नहीं, बल्कि ऐसा व्यक्ति हो जो अपने छात्रों की भावनाओं को समझता हो, उनकी चुनौतियों को सुनता हो और सही रास्ता दिखाता हो। ऐसे में शिक्षक को संस्कारों का एंटीवायरस बनना होगा। महान विचारक और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने एक बार अपने बेटे के शिक्षक को पत्र लिखते हुए कहा था, उसे सिखाना कि हर दुश्मन में एक दोस्त छिपा हो सकता है... उसे किताबों के चमत्कार के बारे में बताना... उसे सिखाना कि अगर वह हारता है तो यह ठीक है... उसे सिखाना कि सफलता का आनंद कैसे लिया जाए... लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, उसे यह सिखाना कि कैसे मुस्कुराना है जब वह दुखी हो। लिंकन की यह बात आज के दौर में और भी प्रासंगिक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमें तथ्यों से भर सकता है, लेकिन मुस्कुराना, हार से सीखना, और दूसरों में अच्छाई खोजना - ये बातें केवल शिक्षक ही सिखा सकता है, जो भावनाओं और अनुभवों के माध्यम से संवाद करता है। एक बार स्वामी विवेकानंद से उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस ने पूछा, तुमने क्या सीखा? विवेकानंद ने शास्त्रों का ढेर गिना दिया। रामकृष्ण मुस्कुराए और बोले, तुमने ज्ञान इकट्ठा किया है, सीखा नहीं। सीखा तो तब होता, जब तुम इसका उपयोग कर दूसरों के दुख दूर करते।हाल ही में, लेखक को एक अनोखा उदाहरण देखने को मिला। बेंगलुरु के एक स्कूल में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एथिक्स पर सत्र के दौरान एक छात्र ने पूछा, अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता ( ) मेरा सारा होमवर्क कर दे, तो मुझे क्या मिलेगा? शिक्षक मुस्कुराईं। उन्होंने कहा, तुम्हें होमवर्क से मुक्ति मिलेगी, लेकिन सीखने का आनंद नहीं मिलेगा। एआई तुम्हें उत्तर दे देगी, लेकिन उस उत्तर तक पहुंचने की सोच, संघर्ष और समझ नहीं देगी। यही वो जगह है जहां तुम्हारी आत्मा का विकास होता है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता कभी नहीं कर सकती। यह एक साधारण सा संवाद था, पर इसमें आधुनिक शिक्षा की गहरी फिलॉसफी छुपी थी। आज की पीढ़ी डिजिटल नेटिव है। उनके लिए किताबें नहीं बल्कि स्क्रीन ज्ञान का पहला स्रोत है। हमें उन्हें स्क्रीन से दूर भगाने के बजाय स्क्रीन पर सही जानकारी को चुनना सिखाना होगा, और उसके पीछे के मानवीय मूल्यों को समझाना होगा। एक शिक्षक को यह समझना होगा कि छात्र अब केवल ब्लैकबोर्ड से नहीं, बल्कि वीडियो, पॉडकास्ट और इंटरेक्टिव ऐप्स से भी सीखते हैं। आज की पीढ़ी के लिए स्क्रीन (मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट) सिर्फ एक गैजेट नहीं, बल्कि उनकी दुनिया का एक अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। यह एक ऐसा माध्यम है जिसके जरिए वे जानकारी प्राप्त करते हैं, संवाद करते हैं और मनोरंजन करते हैं। इस स्थिति में, पारंपरिक शिक्षा पद्धति को पूरी तरह से नकारना बुद्धिमानी नहीं होगी, बल्कि हमें संस्कारों को तकनीक के साथ सही से मिलाना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली सहायक है, जो शिक्षकों को व्यक्तिगत ध्यान देने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और छात्रों की समस्याओं को गहराई से समझने का समय देता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आपको गणित के सूत्र समझा सकती है, लेकिन यह नहीं सिखा सकती कि जीवन में ईमानदारी क्यों जरूरी है। विज्ञान के नियम बता सकती है, लेकिन यह नहीं कि सहानुभूति क्यों रखनी चाहिए। शिक्षक का काम अब डेटा डंप करना नहीं, बल्कि ज्ञान का क्युरेटर बनना है। उन्हें छात्रों को सिखाना होगा कि डिजिटल दुनिया में झूठी खबरों को कैसे पहचानें, गोपनीयता का महत्व क्या है, और साइबर बुलिंग से कैसे बचें। उन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हुए, छात्रों में आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, और सामाजिक जागरूकता विकसित करनी होगी। शिक्षकों को यह भी सोचना होगा कि क्या वे सिर्फ परीक्षा पास कराने वाले रोबोट बना रहे हैं, या ऐसे इंसान तैयार कर रहे हैं जो जीवन की हर चुनौती का सामना कर सकें।

चिकित्सा और शिक्षा मुनाफे का खेल

प्रेम शर्मा

एकदम शत प्रतिशत,शुद्ध 24 केरेट का खेल चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में खेला जा रहा है। तेजी से बढ़ाते चिकित्सा एवं शिक्षा के बाजारीकरण से यह बॉत सिद्ध हो चुकी है। पिछले बीस वर्षो में देश में लाखों की संख्या में निजीक्षेत्र लक्जरी ट्रामा सेन्टर, बीमारी विशेष के स्पेसलिस्ट चिकित्सालयों की स्थापना, ऐसी एवं सर्व सुविधायुक्त फाईव स्टार संस्कृति

से परिपूर्ण प्ले स्कूल, टेक्निकल कालेजों ने चिकित्सा एवं शिक्षा के महत्व को कम कर इसे मुनाफे के व्यवसाय में तब्दील कर दिया है। इस बॉत से न तो सरकार, न ही आमजनता अनभिज्ञ है, बल्कि उनके सामने इसका विकल्प नजर नही आ रहा है। सरकार के सरकारी चिकित्सालयों और सरकारी शिक्षाकेन्द्रों की दशा दिशा और दुर्दशा का फायदा देश के चंद पूंजीपतियों, राजनेताओ, कतिपय नौकरशाहों द्वारा उठाया जा रहा है। देश की हर राजधानी और मेट्रों शहरों में खुलने वाले निजी क्षेत्र के विशेष शैली और सुविधाओं वाले निजी हास्पिटलों एवं स्कूल, कालेजों के मालिकाना हक में कही न कही कोई न कोई राजनेता, मंत्री, सांसद, विधायक, नौकरशाह का नाम जुड़ा है। यही नही चिकित्सा के क्षेत्र में कतिपय सीएमओं की सेवा मे रहते एवं सेवानिवृत्ति के बाद की भागीदारी इस बॉत का संकेत है कि पैसे की हवस के आगे इन लोगों ने समाजसेवा और देश विकास के साथ खिलवाड़ करने में कोई कसर नही छोड़ी है। शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण हुआ है, उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेल दिया है। इस सम्बंध में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। इंदौर में एक किफायती कैंसर देखभाल केंद्र का उद्घाटन करते हुए भागवत ने चेताया कि भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। उन्होंने कॉपोर्रेट शैली के कथित कॉपोर्रेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की अपील करते हुए स्वास्थ्य-शिक्षा को सामाजिक दायित्व का निवर्हन करने का आग्रह किया था।चिकित्सा और शिक्षा की वर्तमान स्थिति निस्संदेह,यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग,मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है।इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। सरस्वती के मंदिर आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं। अभिभावकों को उल्टे उस्तरे से मूंडने के लिये नये-नये तौर-तरीके निकाले जा रहे हैं। ट्यूशन, एडमिशन,बिल्डिंग फीस, ट्रांसपोर्ट जैसे तमाम मदों के नाम पर अभिभावकों का दोहन किया जाता है। इतना ही नहीं किताबें व ड्रेस तक शिक्षण संस्थानों की हिस्सेदारी वाली दुकानों से खरीदने को बाध्य किया जाता है। यहां तक कि आम शहरों में, माता-पिता प्रति बच्चे पर सालाना साठ हजार से भी ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कुछ अभिभावक तो अपनी आय का लगभग आधा हिस्सा ट्यूशन और शिक्षा से जुड़े मदों पर खर्च कर रहे हैं। फीस, कापी कितबे और ड्रेस का विवाद लगभग हर नए सत्र के दौरान देश के किसी न किसी शहर और नामी स्कूलों देखा जाता है विरोध भी होता है लेकिन फिर अभिभावक मजबूरी में अपना दोहन कराता है। हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। दिल्ली, लखनऊ, मुम्बई जैसे देश के तमाम शहर ऐसे है जिनमें छोटी छोटी क्लासों की सलाना फीस लाखों रुपए है। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण को भी रेखांकित करते हैं। पिछले दिनों दिल्ली के निजी स्कूलों में अनाप-शनाप फीस बढ़ाए जाने के खिलाफ अभिभावक सड़कों पर उतरे। जिसने दिल्ली सरकार को बाध्य किया कि इस दिशा में सकारात्मक पहल करे। इस आंदोलन के उत्साहजनक परिणाम सामने आए। कालांतर दिल्ली सरकार को निजी स्कूलों की फीस को विनियमित करने वाला विधेयक पारित करने को बाध्य होना पड़ा। जो इस दिशा में एक उत्साहजनक पहल कही जा सकती है। चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र के अधरधुध बाजारी को रोकने के लिए मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। इस बॉत से कोई इंकार नही कर सकता कि स्वस्थ्य और शिक्षित जनता देश के विकास की पहली सीढ़ी है। ऐसे में सरकार को एक कदम आगें आकर विरोध को स्वीकार करते कठोर कदम उठाने होगें।

स्त्रियों को शास्त्रकार बनाने हेतु विनोबा भावे का संकल्प

1951 में भूदान यज्ञ कार्य शुरू हुआ। विनोबा जी की पदयात्राओं में देशभर से बहुत महिलाएं शामिल हुईं। 1960 में असम में विनोबा की पदयात्रा डेढ़ साल चली। वहां भूदान, ग्रामदान का मुख्य काम स्त्री शक्ति के आधार से चला। पवनार आश्रम के संचालक गौतम बजाज के मुताबिक, विनोबा मानते थे कि बहनों के लिए शास्त्रकार होना और ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना जरूरी है। महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित पवनार आश्रम यानी ब्रह्म विद्या मंदिर भूदान आंदोलन से जुड़ा है। इसे विनोबा भावे ने उन महिलाओं के लिए स्थापित किया था, जो आध्यात्मिक जीवन जीना चाहती थीं। पवनार आश्रम में ब्रह्म विद्या मंदिर की साल 1959 में शुरूआत हुईं। करीब एक दशक विनोबा पदयात्राओं में रहे। वे साल 1970 में फिर पवनार आश्रम आ गये व अंतिम समय तक यहीं रहे। पवनार आश्रम में व लंबी यात्राओं के दौरान विनोबा के सान्निध्य में रहे थे गौतम बजाज। जिन्होंने अपना जीवन विनोबा भावे के विचारों को समर्पित कर दिया है। वही अब पवनार आश्रम के संचालक हैं। ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना व विनोबा की यात्राओं को लेकर गौतम बजाज से कृपाशंकर चौबे की बातचीत। पवनार आश्रम यानी ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना व मकसद के बारे में गौतम बजाज ने बताया कि विनोबा जी का यह आश्रम तो 1938 से ही शुरू हो चुका था। विनोबा जी 1938 में यहां रहने के लिए आए। उन्होंने 1951 में भूदान यज्ञ का कार्य शुरू किया। उनकी पदयात्राएं देश भर में हुईं। उस यज्ञ में बहुत सी बहनें अपना कॉलेज, कैरियर, नौकरी सब छोड़कर शामिल हुईं। केरल से लेकर असम तक की बहनें इसमें साथ आयीं। विनोबा जी एक बात बार-बार कहते थे कि अब बहनों को भी ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। हमारे यहां बहुत संत बहनें हुई हैं। मीराबाई हैं, आंडाल हैं, ऐसे कई नाम हैं। विनोबा जी मानते थे कि बहनों के लिए शास्त्रकार होना और ब्रह्म विद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना बहुत जरूरी है। नहीं तो हमारे शास्त्र एकांगी रह जाएंगे। उनका यह भी कहना था कि हमको जो भी काम करना है- चाहे ग्राम सेवा का काम हो, खादी का काम या रुग्ण सेवा का- इन सब कामों के पीछे हमारी आध्यात्मिक निष्ठा होनी चाहिए। उसके बिना ये सारे अच्छे काम शून्यवत हो जाएंगे। इसलिए बहनों को आगे आना चाहिए। कई बहनें विनोबा जी से मिलती रहीं जिनको ब्रह्म विद्या की लालसा थी। विनोबा जी ने कहा कि ब्रह्म विद्या मंदिर में वे बहनें ही आएंगी जिनमें ब्रह्म विद्या की उपासना की इच्छा और सामाजिक क्रांति की भी तमन्ना हो। ऐसी कई बहनें जब तैयार हुईं तब विनोबा जी की पदयात्रा चल रही थी। राजस्थान के सीकर जिले के गांव काशी का बास जो जमुनालाल बजाज का जन्म स्थान है, वहां वर्ष 1959 में विनोबा जी ने ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना की घोषणा की। गौतम बजाज ब्रह्मविद्या मंदिर के आरंभ के बारे में बताते हैं कि ब्रह्म विद्या मंदिर की स्थापना की घोषणा के उपरांत विनोबा जी की प्रेरणा से जो बहनें ब्रह्मविद्या के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती थीं, वे अलग-अलग प्रांतों में पवनार आईं। कुछ बहनें कर्नाटक, कुछ बंगाल व कुछ गुजरात से तो कुछ केरल से थीं। दरअसल 25 मार्च 1959 को ब्रह्मविद्या मंदिर का स्थापना दिवस माना जाता है। इसी दिन विनोबा जी अथातो ब्रह्म जिज्ञासा कह कर यह घर छोड़ कर निकल पड़े थे। बहनें जब यहां आईं तब विनोबा जी यहां नहीं थे। विनोबा जी से पत्र व्यवहार द्वारा बहनें मार्गदर्शन लेती रहीं। कुछ बहनें कभी-कभी उनको यात्रा में मिलने जाती थीं। वहां बात होती थी। तब राजस्थान के बाद पंजाब व फिर जम्मू कश्मीर में विनोबा जी की यात्रा चली। इसके बाद उत्तर प्रदेश होते हुए वे 1960 में चंबल क्षेत्र में भी पहुंचे। वहां से यात्रा करके विनोबा जी इंदौर गए और फिर इंदौर से वे असम की तरफ निकले। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार व उत्तर बंगाल होते हुए उन्होंने असम में प्रवेश किया। असम में विनोबा जी की पदयात्रा अन्य क्षेत्रों के बजाय कुछ ज्यादा दिन क्यों चली, इस संबंध में पूछने पर गौतम बजाज का उत्तर था-असम में विनोबा जी की पदयात्रा डेढ़ साल चली। ब्रह्मपुत्र के उत्तर से भी ब्रह्मपुत्र के दक्षिण में भी दोनों तरफ से उन्होंने पूरे असम की पदयात्रा की और वहां यह भूदान, ग्रामदान ये सब काम खूब चला। वहां पर मुख्य काम स्त्री शक्ति के आधार से चला। असम में ब्रह्मचारिणी बहनों की बहुत तादाद थी और वहां गांधी जी ने बनाया हुआ कस्तूरबा ट्रस्ट था। उसको भी वे बहनें ही संभालती थीं। इनकी अगुवा अमल प्रभा दास थीं। उन्होंने सारी यात्रा का संचालन किया और लोगों ने भी पूरी मदद की।

सवाल भूदान, ग्रामदान की यात्राओं का आया तो बजाज ने स्पष्ट किया- मुझे मौका मिला यात्रा में साथ रहने का। विनोबा जी बीच-बीच में दूसरे काम से भी भेजते थे। जैसे उनकी किताब कोई छपनी हो तो कभी काशी भेज दिया, कभी असम में था तो गुवाहाटी। कभी-कभी हमारे सर्वोदय के ज्येष्ठ और वृद्ध व्यक्ति भी आते थे। जैसे दादा धर्माधिकारी आए थे तो उनके साथ कोई नहीं था। तो मुझे बुलाया कि इनकी सेवा में जाओ। विनोबा जी का कहना था कि सेवा करते-करते जो ज्ञान प्राप्त होगा, होगा। कहीं कोई चीज सिखानी हो उसके लिए भी भेजते। तो मैं विनोबा जी की समूची पदयात्रा में साथ रहा। 1964 में यहां पवनार आए। यहां एक साल वे रहे। थोड़े दिनों के लिए आये थे लेकिन स्वास्थ्य कारणों से एक साल के लिए यात्रा यहां रुक गई थी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के शताब्दी संदेश से बहुत कुछ प्रेरणा ले सकती है भाजपा

ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं', बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्रायः भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है,

जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है? यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताजा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है। लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है। ऐसे में जो आरएसएस अपनी स्थापना के शुरूआती दिनों से ही हिंदू राष्ट्र की बात पर मुखर रहा है, वह भी नरम हो रहा है। बता दें कि सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें गुरुजी कहा जाता है, ने इसे परिभाषित करते हुए कहा था कि भारत की आत्मा हिंदू है और यहां की संस्कृति की जड़ें हिंदुत्व से निकली हैं। वाकई संघ का शुरू से ही मानना रहा है कि हिंदू शब्द सिर्फ धार्मिक नहीं है, बल्कि इसमें सभ्यता, परंपरा, जीवनशैली और सामाजिक मूल्य सभी शामिल हैं। यही वजह है कि संघ हमेशा कहता रहा कि मुसलमान, ईसाई, पारसी या अन्य धार्मिक समूह भी इस राष्ट्र के उतने ही हिस्से हैं, जितने हिंदू। इसलिए यह बिल्कुल सीधा और साफ संदेश है कि भागवत का बयान संघ की पुरानी लाइन को ही दोहराता है। कहना न होगा कि आरएसएस सीधे सत्ता की राजनीति में शामिल नहीं होता है, बल्कि संघ की असली ताकत समाज-निर्माण, जनशिक्षा, जनसेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रम में है। इसलिए संघ प्रमुख के इस बात में कुछ भी नया नहीं है कि हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य संसद में बहुमत पाना नहीं है, बल्कि समाज को ऐसा बनाना है जिसमें नैतिकता, समरसता और सांस्कृतिक एकता स्थापित हो। लेकिन उनकी इस बात की टाइमिंग बहुत ही महत्वपूर्ण है। शायद यह हो सकता है।

बाबासाहेब आंबेडकर की तरह पढ़ना और सोचना

विचारों को मंथन करने के लिए पढ़ें, न कि केवल विचारों के संचय के लिए, मन में विरोधाभासी विचारों को लेकर खुले मन से पढ़ें, पहले पढ़े गए विचारों के गुलाम न बनें। यही स्वतंत्र चिंतन शैली विकसित करने का तरीका है। जब हम किताबें पढ़ते हैं, तो हमें पिछली पढ़ी हुई किताब के गुलाम नहीं बनना चाहिए। हमें उस विशेष विषय पर पहले से पढ़ी गई सभी बातों को याद रखना चाहिए, और हमारे मन में उस किताब के बारे में एक विरोधाभास होना चाहिए, तभी हम अपने विचार बना सकते हैं। किसी किताब के विषय को पढ़कर और उसका विरोधाभास करके, हम अपने व्यक्तित्व का निर्माण कर सकते हैं। मन को एक प्रकार की मशीन की तरह काम करना चाहिए और सभी तथ्यों को एकत्रित करना चाहिए, न कि सिनेमाग्राफ की तरह जहाँ एक के बाद एक चित्र आते हैं और चले जाते हैं। ज्ञान एक ईर्ष्यालु स्वामी है और भाषा को अनेक विचारों को व्यक्त करने के लिए लचीला होना चाहिए। अंग्रेजी ज्ञान निर्माण और अभिव्यक्ति की भाषा के रूप में योग्य है। ज्ञान एक बहुत ही ईर्ष्यालु स्वामी है, और अंग्रेजी एक बहुत अच्छी भाषा है क्योंकि यह लचीली है। हम इस भाषा में सब कुछ व्यक्त कर सकते हैं क्योंकि इसमें बहुत सारे रंग हैं। मुझे अंग्रेजी भाषा सबसे अच्छी लगती है। आपको अपनी भाषा में बहुत अच्छा होना चाहिए। इसे बेहतर बनाने के लिए आपको वाक्यांशों के नोट्स बनाने चाहिए और शब्दकोश में शब्दों के अर्थ देखने चाहिए। आपको बहुत अच्छी स्मृति विकसित करनी चाहिए। आपको जल्दबाजी में किताबें नहीं पढ़नी चाहिए। मैं एक किताब पढ़ने के बाद पूरी किताब को दो या तीन पन्नों में संक्षेपित कर देता हूँ, आपको भी यही करना चाहिए। मेरे पास कई इंडेक्स कार्ड हैं जिन पर मैं एक तरफ लेखक और संस्करण वर्ष के बारे में लिखता हूँ, और दूसरी तरफ किताब के विषय के बारे में। इसी अभ्यास के कारण मुझे नेपोलियन टाइम्स के पूरक रिकॉर्ड याद रहे। मैंने इसे 1921 में पढा था और 25 साल बाद भी 1946 में याद था। मैं कोलिंडेल (ब्रिटिश लाइब्रेरी का भंडार) गया और उस अंश को पढ़ा और उन दिनों अधूरी रह गई कुछ किताबें पूरी कीं। यह अछूतों की उत्पत्ति पुस्तक के लिए उपयोगी साबित हुआ। विचार संकट का परिणाम है, अन्यथा जीवन आदत का विषय है। हम हमेशा बिना सोचे-समझे एक ही रास्ते, एक ही रास्ते से चलते रहते हैं। लेकिन अगर हमारे सामने कोई असामान्य चीज जैसे कोई खाई या गड्ढा हो, तो हम रुककर सोचते हैं कि हमें उसे कूदकर पार करना चाहिए, रेंगकर जाना चाहिए या वापस लौट जाना चाहिए। आपको अपनी भाषा में हमेशा बल और सहमति का प्रयोग करना चाहिए। लोग मुझ पर दूसरों को चोट पहुँचाने का आरोप लगाते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमें बल और सहमति का प्रयोग करना चाहिए, बेशक अलग-अलग परिस्थितियों में इसका कुछ हद तक असर होना चाहिए। हमें खूब पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और खूब मन लगाकर पढ़ाई भी करनी चाहिए। जब मैं छात्र था, मेरा मन एक ही विषय पर स्थिर रहता था। मेरी रुचि केवल पढ़ने में थी, मैंने कभी किसी की परवाह नहीं की और न ही कभी दोस्त बनाए। मेरे लिए बस पढ़ना ही सब कुछ था और कुछ नहीं। मैं ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करता था। मैं किताबें सिर्फ इसलिए खरीदता था क्योंकि मुझे पढ़ने का बहुत शौक था। मेरी दो पसंदीदा चीजें चाय और किताबें हैं। उन दिनों मैं लगभग 3 या 4 सिनेमाघर देखता था। न्यूयॉर्क में मैं सुबह 8.30 बजे से रात 11.30 बजे तक लाइब्रेरी में पढ़ता था और दोपहर के भोजन के लिए आधे घंटे का ब्रेक लेता था।

बैंक के साथ 1396 करोड़ की धोखाधड़ी; 10 लग्जरी कारें, तीन सुपर बाइक और करोड़ों के आभूषण जब्त

नई दिल्ली ।ईडी ने सीआईडी, हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा मेसर्स आईटीसीओएल और उसके प्रमोटरों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी।आरोप लगाया गया है कि मेसर्स आईटीसीओएल के निदेशकों ने विभिन्न कंपनियों और सीए के अन्य आधिकारिक कर्मचारियों के साथ मिलकर बैंकों के एक संघ से लिए गए ऋणों का गबन किया।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), शिमला ने 30 अगस्त को ओडिशा के भुवनेश्वर में 2 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया, जिसमें शक्ति रंजन दाश का आवासीय परिसर और उन कंपनियों का व्यावसायिक परिसर शामिल है, जिनमें शक्ति रंजन दाश प्रबंध निदेशक हैं।ये परिसर मेसर्स अनमोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड (एएमपीएल) और मेसर्स अनमोल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड (एआरपीएल) से जुड़े हैं।यह तलाशी अभियान मेसर्स इंडियन टेक्नोमैक कंपनी लिमिटेड (मैसर्स आईटीसीओएल) के बैंक धोखाधड़ी मामले में चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के संबंध में पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत चलाया गया।

बिग बॉस 14 फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली को हुआ डेंगू, सोशल मीडिया पर खुद दी जानकारी

अभिनेत्री और 'बिग बॉस 14' फेम स्टार निक्की तंबोली ने खुलासा किया कि उन्हें डेंगू हो गया है।इस जानकारी ने उनके फैंस को हैरान कर दिया है। अभिनेत्री और रियलिटी शो स्टार निक्की तंबोली, जिन्हें बिग बॉस 14 से काफी पहचान मिली थी।एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि उन्हें डेंगू हो गया है। अभिनेत्री ने रविवार को अपने प्रशंसकों से हेल्थ अपडेट साझा किया। खराब सेहत पर किया था पोस्ट बीते दिनों निक्की तंबोली ने जानकारी दी थी कि उन्हें 103.6 डिग्री का बुखार है।इसके साथ ही उन्होंने गणेश चतुर्थी समारोह में भी शामिल नहीं हो पाने का दुख जताया था। उन्होंने लिखा था, गणपति बप्पा मुझे जल्दी से ठीक करें।मुझे आपके दर्शन लेने आना है। एक नजर निक्की तंबोली के करियर पर निक्की तंबोली एक अभिनेत्री और मॉडल हैं, जिन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भाग लिया था।इस शो में वो सेकेंड रनरअप रही थीं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने कंचना 3 जैसी साउथ की फिल्मों में भी अभिनय किया है और वो कई म्यूजिक वीडियोज में भी दिखाई दे चुकी हैं। वहीं निक्की तंबोली को स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 11', 'द खतरा खतरा शो', 'बिग बॉस मराठी सीजन 5' और 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ इंडिया' जैसे शोज में भी नजर आ चुकी हैं।

प्रिया के निधन पर भाई सुबोध ने जताया शोक, बोले-मेरी बहन फाइटर थी, लेकिन कैंसर ने उनका पीछा नहीं छोड़ा

टीवी इंडस्ट्री से आज एक बेहद बुरी खबर सामने आई। श्पवित्र रिश्ताश जैसे लोकप्रिय शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली प्रिया मराठे का 31 अगस्त को निधन हो गया। वह सिर्फ 38 वर्ष की आयु में कैंसर के चलते इस दुनिया को अलविदा कह गईं। एक्ट्रेस के निधन से उनके परिवार और इंडस्ट्री में मातम छा गया गया है।इसी बीच हाल ही में प्रिया के भाई व मराठी एक्टर सुबोध भावे ने अपनी बहन के निधन पर शोक व्यकत किया है। प्रिया मराठे के चचेरे भाई और एक्टर सुबोध भावे ने अपनी बहन को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें फाइटर बहन बताया और कहा कि प्रिया ने हर मुश्किल का सामना बड़ी हिम्मत से किया, लेकिन आखिरकार बीमारी ने उनकी जिंदगी छीन ली।सुबोध ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बहन संग एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा-एक बेहतरीन एक्ट्रेस, कुछ धारावाहिकों और फिल्मों में मेरी सह-कलाकार। लेकिन मेरे लिए सबसे अहम रिश्ता उनके साथ था।प्रिया मेरी चचेरी बहन हैं।इस क्षेत्र में आने पर उन्होंने जो कड़ी मेहनत की, अपने काम पर उनका विश्वास, ये सब बातें काबिले तारीफ थीं।उन्होंने हर किरदार को पूरे दिल और लगन से निभाया। कुछ साल पहले उन्हें कैंसर का पता चला था। इससे लड़ने के बाद, उन्होंने फिर से काम करना शुरू कर दिया। वह फिर से नाटकों और धारावाहिकों में अपने सहज और खूबसूरत अभिनय से दर्शकों के सामने आईं, लेकिन कैंसर ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। हमारे धारावाहिक तू भेषी नव्याने के दौरान, उनकी परेशानियाँ एक बार फिर बढ़ गईं। उनके साथी ॑ंदजंदनेउवहीम इस पूरे सफर में उनके साथ मजबूती से रहे। मेरी बहन एक योद्धा थीं, लेकिन आखिरकार उनकी ताकत कम हो गई।आपको भावभीनी श्रद्धांजलि प्रिय. आप जहाँ भी हों, आपको शांति मिले.ओम शांति बहुत कम लोग जानते होंगे कि प्रिया मराठे ने अपने करियर की शुरूआत स्टैंड-अप कॉमेडी से की थी और फिर धीरे-धीरे उन्होंने टीवी सीरियल्स की ओर अपना रुख किया और मराठी धारावाहिकों या सुखानोया और चार दिवस सासुचे से पहचान बनानी शुरू की, लेकिन असली शोहरत उन्हें हिंदी टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता में वर्शा के किरदार से मिली। इस शो में उन्होंने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर की थी। इस सीरियल के बाद उन्होंने बड़े अच्छे लगते हैं में ज्योति मल्होत्रा का किरदार निभाकर लोगों का दिल जीता। वहीं, मराठी शो तू तिथे मी में उन्होंने ग्रे शेड्स वाला नेगेटिव किरदार निभाकर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया।इसके बाद, साल 2017 में वह स्टार प्लस के मशहूर शो साथ निभाना साथिया से जुड़ीं, जहां उन्होंने भावनी राठौड़ का दमदार किरदार निभाकर अपनी अदाकारी की छाप छोड़ी, लेकिन अफसोस कैंसर की बीमारी ने हमसे टीवी की यह दमदार अदाकारा छीन ली।

विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स की एडवांस बुकिंग हुई शुरू!

विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स 16 अगस्त 1946 को कोलकाता में हुए डायरेक्ट एक्शन डे की दर्दनाक पृष्ठभूमि पर बनी है।

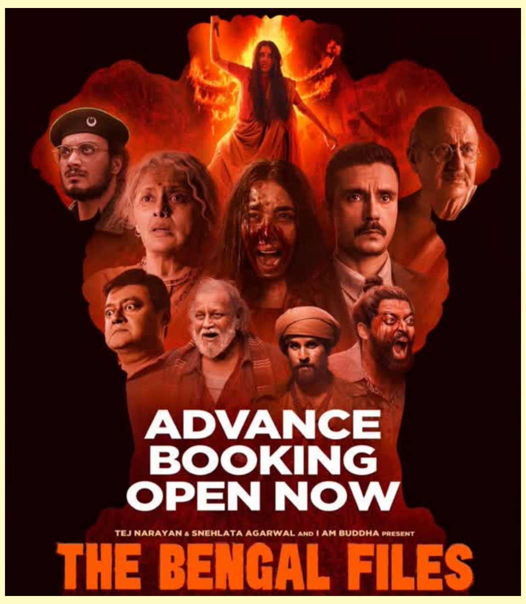

बता दें कि उनकी ये फिल्म, उनके द्वारा सच दिखाने वाली ट्रिलॉजी का आखिरी चौप्टर है, जिसमें द ताशकंद फाइल्स और द कश्मीर फाइल्स पहले आ चुकी हैं।फिल्म का टीजर पहले ही पूरे देश में सनसनी फैला चुका था, और अब जब इसका जोरदार ट्रेलर रिलीज हुआ तो दर्शक इसकी सच्चाई से भरी झलक देखकर दंग रह गए। अब जब फिल्म रिलीज के करीब है, एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है।सोशल मीडिया पर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने एक दमदार पोस्टर शेयर किया और साथ ही ये ऐलान किया कि अब एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। उन्होंने इसे कैप्शन देते हुए लिखा है- षएडवांस बुकिंग अब शुरू हो चुकी है।हिंदू नरसंहार का सच अब और छुपाया नहीं जा सकता।द बंगाल फाइल्स सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये एक ऐसा अनुभव है जो आपकी आत्मा को हिला देगा।

सास के निधन के बाद चिरंजीवी ने पूरी की उनकी आखिरी इच्छा, संसार में न होकर भी किसी की जिंदगी को रोशन करेंगी अल्लू कनकरत्नम

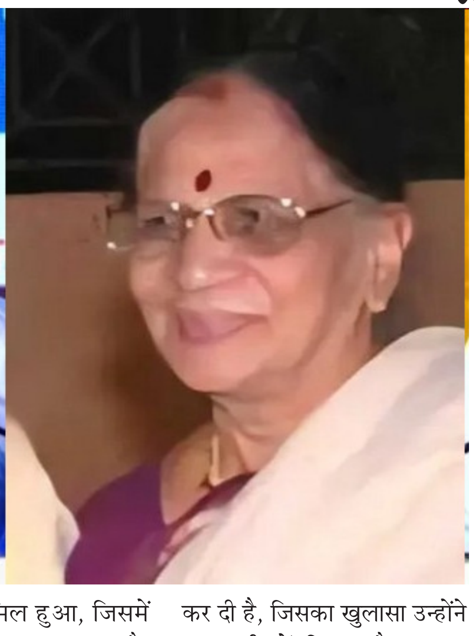

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की दादी और पद्म श्री सम्मानित अभिनेता अल्लू रामलिंगैया की पत्नी अल्लू कनकरत्नम का 30 अगस्त 2025 को 94 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी अंतिम विदाई में पूरा अल्लू परिवार शामिल हुआ, जिसमें अल्लू अर्जुन, राम चरण, और चिरंजीवी भी मौजूद थे। वहीं, कनकरत्नम के निधन के बाद उनके दामाद व एक्टर चिरंजीवी ने उनकी आखिरी इच्छा भी पूरी कर दी है, जिसका खुलासा उन्होंने हाल ही में किया है। अल्लू कनकरत्नम की आंखें दान करने की इच्छा थी।ऐसे में चिरंजीवी ने अपनी सास की अंतिम इच्छा पूरी करने का खुलासा करते हुए कहा हमने कुछ समय पहले एक बातचीत के दौरान उनसे पूछा था कि क्या वो निधन के बाद अपनी आंखें दान करना चाहेंगी। उन्होंने तुरंत कहा था हां।उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्हें निधन की खबर मिली, वह सबसे पहले अल्लू अरविंद के घर पहुंचे। अल्लू अरविंद उस समय बेंगलुरु में थे। चिरंजीवी ने उनसे पूछा कि क्या वह अपनी मां की आंखें दान करने को तैयार हैं। अल्लू अरविंद ने तुरंत सहमति दी। चिरंजीवी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बताया कि उन्होंने अपने संगठन माय ब्लड बैंक से तुरंत संपर्क किया और नेत्रदान की पूरी प्रक्रिया को समय रहते पूरा करवाया। उनकी मौत के बाद भी उनकी आंखें किसी और की जिंदगी में रोशनी भर सकें-यही उनका सपना था। हम खुश हैं कि हम उनकी ये अंतिम इच्छा पूरी कर पाए, चिरंजीवी के इस फैसले की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है।

ईशा कोप्पिकर ने मनाया गणेश उत्सव, बोलीं- यही प्रार्थना है कि बुद्धि और शांति हमेशा सही रहे

ईशा कोप्पिकर के जीवन में गणेश उत्सव का बहुत अधिक महत्व है। यह त्योहार उनके मन और जीवन को खुशियों से भर देता है।उन्हें इस पावन पर्व पर गणपति बप्पा का आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलता है।गणेश उत्सव से जुड़े अपने अनुभव और भावनाएं ईशा कोप्पिकर अमर उजाला के साथ साझा कर रही हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार हर घर में उत्साह, भक्ति और उल्लास लेकर आता है। एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर के लिए भी गणपति बप्पा का आगमन बेहद खास होता है। बचपन से ही वो इस पर्व को मनाती आ रही हैं, अब वह अपनी बेटी रियाना के साथ पूरे मन से गणपति बप्पा का स्वागत करती हैं। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर उन्होंने इस त्योहार की अहमियत के बारे में बताया। गणेश उत्सव के अवसर पर अमर उजाला डिजिटिल से लंबी बातचीत की। गणपति बप्पा हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। वो हमारे ईष्ट देवता हैं। बचपन से ही मैं गणेश चतुर्थी मना रही हूं। जब से मैं पैदा हुई हूं, तब से ही घर पर गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। हर साल बप्पा का स्वागत करते समय आपके घर में कोई खास रिवाज या परंपरा है? हां, बहुत साल से हम सोने से बने गणपति बप्पा को पूजते थे और आराधना करते थे। मोदक और लड्डू गणपति बप्पा को बहुत पसंद हैं, इसलिए वो घर पर ही बनते हैं। साथ ही ट्रेडिशनल सारस्वत खाना बनता है, जो गणपति स्थापना के दिन सबसे पहले बप्पा को चढ़ाया जाता है। यह खाना घरवालों के हाथ का बना होता है और बहुत स्वादिष्ट लगता है। अब तक के गणपति सेलिब्रेशन में आपकी सबसे प्यारी याद कौन-सी रही है? सच कहूं तो मैं कोई एक याद चुन ही नहीं सकती। हर साल गणपति बप्पा के साथ नई यादें बनती हैं। लेकिन बचपन की यादें ज्यादा गहरी हैं, क्योंकि बचपन में ही बप्पा से जुड़ाव हुआ, वह आज तक मेरे दिल में बसा है।

मुझे आत्मदाह के सिवा कुछ नही सूझ रहा ..पवन सिंह के बैड टच विवाद के बीच पत्नी का शॉकिंग पोस्ट, पति से कर रही ऐसी मिन्नतें

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह इन दिनों हरियाणवी सिंगर अंजलि राघव को गलत तरीके से छूने के वीडियो को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। हालांकि, इस वीडियो पर एक्टर अपनी सफाई देते हुए माफी भी मांग चुके हैं, लेकिन मामला अभी शांत नहीं हुआ है। इन सब के बीच अब हाल ही में पवन सिंह की दूसरी पत्नी ज्योति सिंह का शॉकिंग पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने बड़े दुखी मन से दिल की बात कही है। अपने पति पवन सिंह संग संबंधों को लेकर दूसरी पत्नी ज्योति सिंह ने एक फोटो शेयर की, जिसमें सिंगर अपनी वाइफ की मांग में सिंदूर भरते हुए नजर आ रहे हैं। ज्योति

के इंस्टा पोस्ट कैप्शन में लिखा- आदरणीय पति पवन सिंह मैं कई महीनों से आप से कुछ पारिवारिक और राजनीतिक मुद्दों पर बात करने की कोशिश कर रही हूं। लेकिन आपने या आपके साथ रहने वालों लोगों ने मेरे कॉल या मैसेज का रिप्लाई देना उचित नहीं समझा। मैं लखनऊ भी आपसे मिलने पहुंची पर वहां पर भी मुलाकात नहीं हो पाई। मेरे पिता भी दो महीने पहले आपसे मिलने गए, लेकिन कोई हल नहीं निकला। उन्होंने आगे लिखा- मेरी ये समझ में नहीं आता है कि मैंने दुनिया का ऐसा कौन सा बड़ा पाप कर दिया है, जिसकी इतनी बड़ी सजा मुझे मिल रही है। मेरे माता-पिता की इज्जत से खेलने का काम किया जा रहा है। अगर मुझ अलग ही रहना था तो लोकसभा चुनाव में झूठा आश्वासन देखकर अपने साथ क्यों लाए। मुझे आत्मदाह के सिवा कुछ नही सूझ रहा हैं। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती, अगर मैं आत्मदाह करूंगी भी तो सवाल मुझ पर ही उठेंगे और मेरे मां बाप पर उठेंगे। सात सालों से मैं संघर्ष कर रही हूं और नहीं हो सकता। अब मुझे अपने ही जीवन से नफरत होती जा रही है। एक बार आप मुझसे बात कर लीजिए मेरे कॉल मैसेज का रिप्लाई दे दीजिए कभी तो मेरा दर्द समझिए। मैंने अपना पत्नी धर्म निभाया है और अब आप भी ऐसा करिए ना। पवन सिंह इस वक्त अंजलि राघव को गलत तरीके से छूने के मामले को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। हालांकि, पवन की पत्नी ज्योति सिंह ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ट्रंप ने जिसे आधार बनाया, उस आपातकाल कानून में टैरिफ का जिक्र नहीं; केवल 150 दिन तक 15% शुल्क का हक

अमेरिकी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस कानूनी प्रावधान की आड़ में भारत समेत कई देशों पर मनमाने टैरिफ लगाए हैं, उस आपातकाल कानून में टैरिफ का जिक्र तक नहीं है। देश के व्यापार कानून के तहत ट्रंप को केवल 150 दिन तक 15% टैरिफ लगाने का हक है। खुद अमेरिका के अपीलीय कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि आईईईपीए कानून में शुल्क लगाने के लिए कोई प्रावधान नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि टैरिफ मुद्दे पर संघीय अपीलीय कोर्ट के फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। व्यापार घाटे को आर्थिक आपातकाल बताकर भारत समेत कई देशों पर थोपे गए टैरिफ पर उनकी दलीलें सुप्रीम कोर्ट में कितनी खरी उतरेंगी, ये तो बाद में ही पता चलेगा। लेकिन, इतना तो साफ है कि उन्होंने आर्थिक आपातकाल से जुड़े जिस कानून को आधार बनाया है, उसमें टैरिफ शब्द का जिक्र तक नहीं है। विभिन्न देशों में टैरिफ लगाने के लिए ट्रंप ने दशकों पुराने आर्थिक आपातकालीन कानून आईईईपीए का सहारा लिया है, जो विदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर वित्तीय प्रतिबंध लगाने, विदेशी व्यक्तियों और संस्थाओं की आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रण रखने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए असाधारण खतरों से निपटने के उपाय करने की अनुमति तो देता है।

संघीय अदालत के फैसले के बाद

अब ट्रंप के टैरिफ का क्या होगा भारत को मिल सकता है बड़ा फायदा

वॉशिंगटन। संघीय अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने का फैसला लिया, लेकिन इस कानून में टैरिफ शब्द का उल्लेख ही नहीं है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मनमाने तरीके से दुनिया के विभिन्न देशों पर भारी-भरकम टैरिफ थोप दिया है, जिनमें भारत भी शामिल है। अब अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप की राह में रोड़े अटका दिए हैं। यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि ट्रंप ने देशों पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी शक्तियों का सीमा से आगे बढ़कर इस्तेमाल किया। संघीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफ को गलत बताया और उस पर रोक लगाने का आदेश दिया। हालांकि ये आदेश तुरंत लागू नहीं होगा और अदालत ने ट्रंप प्रशासन को अक्तूबर तक सुप्रीम कोर्ट में अपील का समय दिया है, तब तक टैरिफ लागू रहेगा। टैरिफ पर रोक लगी तो अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये से हाथ धोना पड़ेगा संघीय अदालत का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका है क्योंकि उनकी व्यापार नीतियों ने वित्तीय बाजार में भारी उथल-पुथल मचा रखी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का समय है, बढ़ती महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि ने दुनिया को मंदी की तरफ धकेल दिया है। अब अगर टैरिफ पर भी रोक लग जाती है तो इससे अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये भी अटक जाएंगे। हालांकि विदेशी स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल पर लगाए गए टैरिफ पर अदालत ने रोक नहीं लगाई है क्योंकि ये आयात अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। जिस कानून के तहत ट्रंप ने टैरिफ लगाया, अदालत ने उस पर उठाए सवाल संघीय अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने का फैसला लिया, लेकिन इस कानून में टैरिफ शब्द का उल्लेख ही नहीं है। अदालत ने कहा कि टैरिफ लगाने की मूल शक्ति अभी भी अमेरिकी संसद के पास है। अब अदालत के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन के पास दो ही रास्ते बचे हैं कि या तो वे सुप्रीम कोर्ट जाएं और या फिर वे संसद से टैरिफ को पारित कराएं। हालांकि दोनों ही जगह ट्रंप प्रशासन को खासी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। भारत को मिलेगा फायदा अमेरिका अदालत ट्रेडर्स और संगठनों ने ट्रंप प्रशासन के फैसले के खिलाफ अपील की थी, लेकिन इस अपील में मेक्सिको, चीन और कनाडा पर लगाए गए टैरिफ का विरोध किया गया था। हालांकि अगर टैरिफ पर रोक लगती है तो उसका फायदा सभी देशों को होगा, जिनमें भारत भी शामिल है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है और अगर सुप्रीम कोर्ट संघीय अदालत के फैसले को बरकरार रखता है तो भारत पर टैरिफ घटकर 15 प्रतिशत तक हो सकता है।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट के शौचालय में आई समस्या

ब्रिसबेन। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की बाली से ब्रिसबेन जा रही फ्लाइट में टॉयलेट खराब होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उड़ान के दौरान सभी टॉयलेट बंद हो गए, जिससे यात्रियों को बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। सोशल मीडिया पर लोगों ने बदबू और असुविधा को लेकर नाराजगी जताई। यात्रियों ने बताया कि 6 घंटे की यह यात्रा बेहद कष्टदायक रही। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की एक फ्लाइट से अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां यात्रियों को यात्रा के दौरान शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब टॉयलेट खराब हो जाने के कारण उन्हें बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। यह घटना पिछले हफ्ते बाली (इंडोनेशिया) से ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) आ रही फ्लाइट में हुई। यह फ्लाइट बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित हो रही थी और गुरुवार दोपहर डेनपसार से रवाना हुई थी। उड़ान के समय एक पिछला टॉयलेट पहले से ही मरम्मत के चलते बंद था। लेकिन यात्रा के दौरान बाकी टॉयलेट भी खराब हो गए, जिससे यात्रियों को 6 घंटे की उड़ान में टॉयलेट की सुविधा नहीं मिली। यात्रियों ने बताया अपना अनुभव विमान में हुए इस कृत्य के बारे में यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान एक यात्री ने कहा कि आखिरी तीन घंटे बेहद मुश्किल भरे थे। कुछ लोगों को बोतल में पेशाब करना पड़ा, तो कई यात्री बदबू और असहजता से परेशान दिखे। बुदुर्ग महिला को करना पर दिक्कत का सामना यात्री ने बताया स्थिति इतनी खराब हो गई कि एक बुजुर्ग महिला के खुद को नहीं रोक पाने की वजह से वह सार्वजनिक रूप से पेशाब कर बैठीं, जिससे उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। वहीं एक यात्री ने बताया कि फ्लाइट के बीच में ही सभी टॉयलेट काम करना बंद कर दिए। बाकी समय हमें बोतल में या फिर पहले से गंदे टॉयलेट में ही पेशाब करने को कहा गया। यह अपमानजनक और तनावपूर्ण था।

यूएस टैरिफ से बचने के लिए नाइजीरिया में उत्पादन की पेशकश

लागोस। लाडोजा ने कहा कि अमेरिका के अलावा, एलएफजेड से

दुनिया के अन्य प्रमुख वैश्विक बाजारों तक भी पहुंच आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया में बने सामान यूरोपीय संघ के देशों में जीएसपी से फायदे में रहते हैं और उन्हें कम शुल्क या शून्य शुल्क देना पड़ता है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिससे भारत का करीब 49 अरब डॉलर का व्यापार प्रभावित होने की आशंका है। अब नाइजीरिया ने भारत के उद्योगों के सामने एक पेशकश की है। नाइजीरिया ने उसके लागोस मुक्त क्षेत्र (एलएफजेड) में निर्माण करने की पेशकश की है। लागोस मुक्त क्षेत्र से अमेरिका और दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों तक आसान पहुंच मिलती है। एलएफजेड की प्रबंध निदेशक और सीईओ अदेसुवा लाडोजा ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय कंपनियों खासकर, कपड़ा, चमड़ा और ऑटोमोबाइल के लिए कड़ी चुनौती पेश की है। अमेरिका और दुनिया के बाजारों में मिलेगी आसान पहुंच लाडोजा ने कहा कि 'लागोस मुक्त क्षेत्र की खासियत यह है कि अमेरिका को नाइजीरियाई निर्यात पर 14 प्रतिशत तक का न्यूनतम शुल्क लगता है, जो कई अन्य देशों पर लागू शुल्कों से काफी कम है। ऐसे में भारतीय कंपनियां एलएफजेड में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित कर कम टैरिफ में अमेरिका सामान भेज सकती हैं। लाडोजा ने कहा कि अमेरिका के अलावा, एलएफजेड से दुनिया के अन्य प्रमुख वैश्विक बाजारों तक भी पहुंच आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया में बने सामान यूरोपीय संघ के देशों में जीएसपी से फायदे में रहते हैं और उन्हें कम शुल्क या शून्य शुल्क देना पड़ता है। अफ्रीकी महाद्वीप के बाजारों में भी मिलेगा प्रवेश लाडोजा ने यह भी बताया कि एलएफजेड में उत्पादन से अफ्रीकी महाद्वीप के 1.4 अरब की आबादी वाले बाजार में भी पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'एलएफजेड केवल लागत-बचत वाला विकल्प ही नहीं है, बल्कि यह एक व्यापार रणनीति भी है, जो भारतीय कंपनियों का जोखिम कम करती है। गौरतलब है कि टाटा इंटरनेशनल ने लागोस मुक्त क्षेत्र में एक असेंबली प्लांट स्थापित किया है। इस सुविधा से टाटा, नाइजीरियाई बाजार के लिए वाणिज्यिक वाहनों की असेंबली करता है।

ट्रंप की टैरिफ-हठधर्मिता के बीच तीन दिग्गज एक मंच पर

न्यूयॉर्क। रूस-भारत-चीन साथ मिलकर नई वैश्विक व्यवस्था की इबारत लिख सकते हैं। अमेरिकी टैरिफ नीति के कारण व्यापारिक मोर्चे पर मची उथल-पुथल के बीच इस तिकड़ी का साथ आना पूरी तस्वीर बदल सकता है। चीन में एससीओ समिट के बाद रूस ने आरआईसी की सहयोग बढ़ाने की पहल की है। भारत की नजर में बहुध्रुवीय विश्व को देखते हुए यह अधिक स्वायत्तता का अवसर है। जानिए क्या है पूरा मामला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अलास्का बैठक रूस-यूक्रेन जंग रोकने में भले ही सफल न हुई हो। लेकिन इसने एक बात तो साबित कर दी कि वैश्विक कूटनीति में रूस का दबदबा अब भी बरकरार है। अलास्का बैठक के बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने नई दिल्ली की यात्रा की। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ रणनीतिक चचाएं भी कीं। अब तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी के साथ एशिया के तीन दिग्गज देश एक मंच पर होंगे। भारत-चीन वैश्विक व्यापार अनिश्चितता के बढ़ते दौर में अपने संबंधों को पुनसंर्तुलित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। इसके बीच ही रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की तरफ से रूस-भारत-चीन (आरआईसी) के बीच सहयोग को पुनर्जीवित करने के आह्वान ने नए सिरे से बहस छेड़ दी है कि त्रिपक्षीय कूटनीति एशिया को स्थिर करने में कैसे मदद कर सकती है। खासकर ऐसे समय पर इस तिकड़ी का साथ आना काफी अहम माना जा रहा है जब अमेरिकी टैरिफ से व्यापारिक मोर्चे पर काफी उथल-पुथल मचा रखी है। विश्लेषकों का मानना है कि अलास्का बैठक इस मायने में अहम साबित हुई कि मास्को की निर्णायक भूमिका को प्रतिबंधों या कूटनीतिक दबाव से मिटाया नहीं जा सकता। बहरहाल, भारत के लिए ये बैठक इसलिए खास नहीं थी कि रूस की वैश्विक मंच पर दमदार वापसी हुई बल्कि उसके लिए व्यापक बहुध्रुवीय परिदृश्य में इसके संकेत अधिक मायने रखते हैं।

भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ रूस-चीन एकजुट

बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस और चीन ने ब्रिक्स देशों के विकास में बाधा डालने वाले भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ साझा रुख अपनाया है। शंघाई सहयोग संगठन

(एससीओ) सम्मेलन में भाग लेने तियानजिन पहुंचे पुतिन ने बताया कि दोनों देश ब्रिक्स को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में और सक्षम बना रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रविवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में हिस्सा लेने के लिए चीन के तियानजिन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने ब्रिक्स देशों के सामाजिक-आर्थिक विकास में रुकावट डालने वाले भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ साझा रुख अपनाया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ को दिए गए एक लिखित इंटरव्यू में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन मिलकर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। साथ ही ब्रिक्स को वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए और सक्षम बना रहे हैं। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर 10% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ब्रिक्स में अब ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा सऊदी अरब, ईरान, इथियोपिया, मिस्त्र, अर्जेंटीना और यूएई को भी शामिल है। आईएमएफ और विश्व बैंक में सुधार की बात पर जोर पुतिन ने आगे कहा कि रूस और चीन आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे वैश्विक वित्तीय संस्थानों में सुधार का समर्थन करते हैं।

ट्रंप, भारत से स्कूली बच्चों जैसा व्यवहार कर रहे, वे इतिहास से वाकिफ नहीं

वॉशिंगटन। सांचेज बोले- भारत का वैश्विक इतिहास में योगदान यूरोप और मेसोपोटामिया से बिल्कुल भी कम नहीं है। लेकिन जब आप उसे स्कूली बच्चा समझते हैं तो भारत अमेरिका को कहता है कि आप हमें नहीं बताएंगे कि हमें क्या करना है। यह परिवर्तनकारी समय है। अमेरिका के वरिष्ठ पत्रकार रिक सांचेज ने भारत पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी सरकार की तीखी आलोचना की है। सांचेज ने कहा है कि ट्रंप सरकार को भारत के इतिहास और उसकी अहमियत का कोई अंदाजा नहीं है और यही वजह है कि वे बिना सोचे समझे फैसले ले रहे हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में सांचेज ने कहा कि ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो द्वारा यूक्रेन युद्ध को मोदी का युद्ध कहने पर कहा कि 'उनका बयान पर हंसा ही जा सकता है। वे कोई बहुत बुद्धिमान व्यक्ति नहीं हैं और न ही वे कोई बड़े विचारक हैं। भारत के इतिहास के बारे में नहीं जानता ट्रंप प्रशासन सांचेज ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ के बारे में मेरे देश की समझ बहुत सीमित है। वे भारत के इतिहास, भारत और चीन के रिश्तों और

रूस-यूक्रेन के रिश्तों के बारे में कुछ नहीं जानते। तभी वे मूर्खतापूर्ण बयान देते हैं। नव-रूढ़िवादी, हथियार उद्योग से जुड़े लोग ट्रंप को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कहीं न कहीं ट्रंप को अहसास है कि उन्होंने गलत मोड़ ले लिया है और यही वजह है कि ट्रंप अब ग्लोबल साउथ और यूरोपीय संघ को बराबर महत्व देते दिखाई दे रहे हैं और संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।' दुनिया के लिए ये बेहद अहम समय रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले की आलोचना करते हुए सांचेज ने कहा कि 'यह बेहद अहंकारी नीति है। ट्रंप प्रशासन, भारत से स्कूली बच्चे जैसा व्यवहार कर रहा है। लेकिन भारत कोई स्कूली बच्चा नहीं है बल्कि एक बड़ी ताकत है। भारत का एक इतिहास है, उसके पास संसाधन हैं और काफी क्षमताएं हैं। भारत ने दुनिया के लिए जो किया है, वह बेहद अहम है। भारत का वैश्विक इतिहास में योगदान यूरोप और मेसोपोटामिया से बिल्कुल भी कम नहीं है। लेकिन जब आप उसे स्कूली बच्चा समझते हैं तो भारत अमेरिका को कहता है कि आप हमें नहीं बताएंगे कि हमें क्या करना है। यह परिवर्तनकारी समय है। इतिहासकार जब पीछे मुड़कर देखेंगे तो ये वो पल होगा, जब दुनिया की महाशक्ति अमेरिका के प्रभुत्व में कमी आनी शुरू हुई। अब ताकत ग्लोबल साउथ की तरफ स्थानांतरित हो रही है, जिसमें भारत, चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे देश हैं।' अमेरिकी पत्रकार सांचेज ने ये भी कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष में मध्यस्थता का श्रेय ट्रंप को नहीं दिया है, जिससे ट्रंप निजी तौर पर भारत से नाराज हैं और 50 फीसदी टैरिफ लगाने के पीछे ये भी एक वजह है।

भारत के अडिग रुख से खिसियाए ट्रंप, अब यूरोपीय देशों से भी नई दिल्ली पर टैरिफ लगाने को कहा

वॉशिंगटन। जहां अमेरिका का दावा है कि भारत रूसी तेल खरीद रहा है और उससे मुनाफा कमा रहा है, वहीं अधिकांश यूरोपीय देश इस मुद्दे पर काफी हद तक चुप रहे हैं। अब ट्रंप उन पर भारत के खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव बना रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत से चिढ़े हुए हैं। दरअसल वे अपने वादे के अनुसार, अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध नहीं रुकवा पाए हैं और अब उन्होंने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ना शुरू कर दिया है। ट्रंप का कहना है कि भारत द्वारा रूस से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीदा जा रहा है, जिससे यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषण मिल रहा है। इसी का बहाना बनाकर ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया। हालांकि उनका ये दांव भी फीका रहा और भारत पर इसका बहुत ज्यादा असर होता नहीं दिख रहा है। इससे ट्रंप लग रहा है कि और चिढ़ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब ट्रंप यूरोपीय देशों पर भी दबाव बना

रहे हैं कि वे भी रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाएं। भारत के खिलाफ यूरोपीय देशों को भड़का रहे ट्रंप मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, व्हाइट हाउस ने यूरोपीय देशों से भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका जैसे प्रतिबंध लगाने को कहा है, जिसमें नई दिल्ली से खरीदे जाने वाले सभी तेल और गैस पर पूरी तरह से रोक लगाना भी शामिल है। गौरतलब है कि यूरोपीय नेता भी यूक्रेन में युद्ध समाप्त कराने के पक्ष में हैं। हालांकि जहां अमेरिका का दावा है कि भारत रूसी तेल खरीद रहा है और उससे मुनाफा कमा रहा है, वहीं अधिकांश यूरोपीय देश इस मुद्दे पर काफी हद तक चुप रहे हैं और उन्होंने ट्रंप के टैरिफ कदम का खुलकर समर्थन या विरोध नहीं किया है। इस बात से भी नाराज हैं ट्रंप अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई के बीच हुए संघर्ष को लगातार रुकवाने का दावा किया है।

यूक्रेनी सांसद एंड्री पारुबी की गोली मारकर हत्या

दुनिया। यूक्रेन के सांसद और पूर्व संसद अध्यक्ष एंड्री पारुबी की ल्विव में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे सुनियोजित हमला बताया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे भयावह और पूर्व नियोजित अपराध बताया। यूरोपीय संसद अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति पोरोशेंको ने भी इस हत्याकांड पर शोक जताया है। यूक्रेन के सांसद और संसद के पूर्व प्रमुख एंड्री पारुबी की ल्विव शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे 'सुनियोजित हमला' बताया है। हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और फरार अपराधी की तलाश जारी है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हत्या को 'भयावह अपराध' बताया। इसके बाद शोक जताते हुए उन्होंने इसे पूर्व नियोजित हत्या बताया। जेलेंस्की ने

कहा कि ये एक सोची समझी साजिश है। हत्याकांड की जांच कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार सभी संसाधन झोंकेगी। यूरोपीय संसद अध्यक्ष ने जताया दुख वहीं पारुबी की हत्या के बाद यूरोपीय संसद अध्यक्ष रोबर्टा मेटसोला और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको ने भी गहरा दुख जताया। पोरोशेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सेना, भाषा और आस्था पर हमला है। एंड्री परुबी यूक्रेन के सच्चे सपूत थे। यह एक आतंकवादी हमला है और दोषियों को सजा मिलनी ही चाहिए। फिलहाल हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई है। पारुबी ने घटनास्थल पर ही तोड़ा दम मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पारुबी को कई बार गोली मारी गई। इससे पहले कोई मदद या फिर आपातकालीन सेवाएं पहुंच पातीं, उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हमलावर शॉर्ट बैरल वाले हथियार से लैस था और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पूरी तरह से तैयार होकर हत्या के इरादे से आया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।

E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।